Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 76
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार,16 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

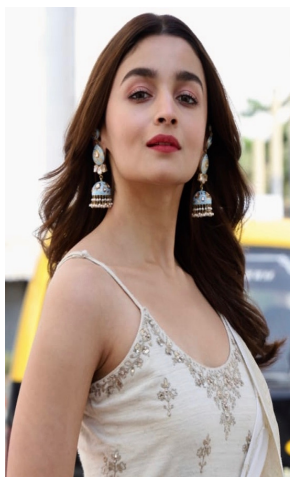

3 दंपत्ति का 11 साल का इंतजार हुआ पूरा, बने माता- 4 तालिबान संग भारत का नया अध्याय, बदल रहा दक्षिण 5 आलिया भट्ट ने परिणीति चोपड़ा को दिया मॉम

गुंडे माफियाओं को योगी की चेतावनी

अगर किसी को करना है यमराज के दर्शन तो किसी बेटी को छेड़ने की करें हिम्मत:सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत सभी योग्य महिलाओं को निःशुल्क गैस सिलेंडर रीफिल का तोहफा दिया। उन्होंने रीफिल की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में सीधा ट्रांसफर की। मंच पर बुलाकर सीएम ने दस महिलाओं को यह राशि सौंपी। इसके साथ ही योजना की कुल 1 करोड़ 86 लाख लाभार्थी महिलाओं के खातों में 1500 करोड़ रुपये की सब्सिडी हस्तांतरित की। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि साल 2014 से पहले गरीब घरों की महिलाएं, लकड़ियां खाना बनाने के लिए कोयले का इस्तेमाल करती थीं, जिससे उनका स्वास्थ्य गंभीर रूप से प्रभावित होता था। उन्हें लगातार चिकित्सा की जरूरत पड़ती रहती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई मुफ्त गैस कनेक्शन योजना आने से महिलाओं की दिनचर्या सरल और सुखद हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2017 से पहले राज्य में सैफई खानदान का ही बोलबाला हुआ करता था, लेकिन अब हम पूरे प्रदेश को अपना एक परिवार मानते हैं। सपा शासन में दंगे फैलाने वालों के आगे झुकती थी, अपराधियों का साथ देती थी, लेकिन हमारी सरकार ने फैसला किया है कि अब किसी बहन-बेटी से छेड़खानी करने की कोशिश भी की गई तो चौराहे पर ही उसे यमराज का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी को यमराज से मुलाकात चाहते हो तो किसी लड़की से बदतमीजी करें, लेकिन अगले ही मोड़ पर ही उसे यमराज मिल जाएंगे। हमने प्रतिबद्धता जताई है कि हर बेटी को पूर्ण सुरक्षा मिलेगी, हर व्यापारी को संरक्षण दिया जाएगा, हर गरीब और दलित के साथ सरकार मजबूती से खड़ी रहेगी। अगर कोई उत्सवों में खलल डालने की कोशिश करेगा तो उसे तुरंत जेल भेज दिया जाएगा। यही वजह है कि अब सभी लोग पर्व बिना किसी भय के धूमधाम से मनाए जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि दीपावली नजदीक आ रही है, इसलिए स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें। दीपक जलाएं तो स्थानीय कुम्हार द्वारा निर्मित ही चुनें। मूर्तियां भी देशी कारीगरों की बनवाई हुई इस्तेमाल करें। इस पर्व पर किसी जरूरतमंद की सहायता अवश्य करें। गौरतलब है कि उज्ज्वला योजना की शुरूआत मई 2016 में हुई, जिसने ग्रामीण क्षेत्रों की रसोइयों को धुएं से मुक्ति दिलाई और महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यूपी में अब तक 1.86 करोड़ परिवारों को यह कनेक्शन वितरित किए जा चुके हैं। राज्य सरकार ने लाभार्थियों को सालाना दो मुफ्त रीफिल देने का ऐलान किया है, जो 2025-26 वित्तीय वर्ष में दो हिस्सों में बांटा जाएगा। पहला हिस्सा अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक और दूसरा जनवरी से मार्च 2026 तक। इसके लिए 1500 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। शुरूआती चरण में आधार सत्यापित महिलाओं को यह सुविधा मिल रही है। कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि केंद्र में मोदी जी के आने के बाद से जनसाधारण के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास तेज हुए हैं। इसी क्रम में सीएम योगी भी निरंतर प्रयत्नशील हैं। राज्य में कन्या सुमंगला योजना से 26 लाख 24 हजार से अधिक लोगों को फायदा पहुंचा है। सामूहिक विवाह योजना के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बेटियों की शादियां कराई गई हैं। वित्त मंत्री ने महिला सशक्तीकरण से जुड़ी अन्य स्कीमों का जिक्र किया और कहा कि योगी प्रशासन ने प्रदेश की आधी आबादी की सबसे ज्यादा परवाह की है।

चंपावत में 115 करोड़ से 43 विकास परियोजनाओं का हुआ शुभारंभ, मुख्यमंत्री ने दिया विकास तोहफा

चंपावत (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत के सर्वांगीण विकास के लिए बुधवार को 115.23 करोड़ रुपये की लागत से 43 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को चंपावत के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक पहल करते हुए करीब 115.23 करोड़ की लागत से 43 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 51.37 करोड़ की 22 योजनाओं का लोकार्पण एवं 63.86 करोड़ की 21 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। धामी ने कहा कि चंपावत में विकास की यह गति आदर्श चंपावत के स्वप्न को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता हर क्षेत्र में संतुलित और गुणवत्तापूर्ण विकास सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है, उनका कार्य समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। धामी ने कहा कि इन योजनाओं में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, पशुपालन और ग्रामीण अवसंरचना से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं, जो जनपद के चतुर्मुखी विकास को नई गति प्रदान करेंगी। लोकार्पण की गई प्रमुख योजनाएं लोक निर्माण विभाग (लोहाघाट निर्माण खंड) काठगोदाम-खुटानी-देवीधुरा-पंचेश्वर मार्ग पर विभिन्न स्थलों पर सड़क सुरक्षा कार्य (493.70 लाख, 261.87 लाख, 288.25 लाख एवं 396.39 लाख) लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड, चंपावत) राज्य मार्ग संख्या-111 ललुआपानी-बनलेख मोटर मार्ग का हॉटमिक्स द्वारा सुधारीकरण (473.34 लाख)। ग्रामीण निर्माण विभाग, चंपावत आबकारी विभाग के अनवासी भवन का निर्माण (118.13 लाख)। घटकू-हिडिंबा मंदिर का कुमाऊनी शैली में निर्माण (94.40 लाख)। महादेव मंदिर स्थल का सुदृढ़ीकरण एवं स्नानघाट निर्माण (93.38 लाख)। लधौनधुरा मेला स्थल का सौंदर्यकरण (73.30 लाख)। राजकीय इंटर कॉलेज अमोड़ी में विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण (61.50 लाख)।

32 देशों के सेना प्रमुख ने ताजमहल देखा,परिवार के साथ फोटो खिंचवाई

आगरा (एजेंसी)। अगरा में 32 देशों के सेना प्रमुख बुधवार विशेष विमान से आगरा पहुंचे। सैन्य प्रमुखों ने लगभग एक घंटे तक ताजमहल का दीदार किया। इस दौरान ताजमहल की भव्यता को देखकर उन्होंने कहा वाह ताज। परिवार के सदस्यों के साथ फोटो खिंचवाई। इससे पहले ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेयी और सीआइएसएफ के सीनियर कमांडेंट वीके दुबे ने सेना प्रमुखों की अगवानी की। सैन्य प्रमुखों के साथ 250 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल भी शामिल है। तीन दिवसीय एससीओ समिट दिल्ली में चल रही है, जिसमें यह सभी लोग शामिल होने के लिए भारत आए हैं।

चुनाव आयोग ने कालेधन और नशे के इस्तेमाल पर कसी लगाम, अब तक 33.97 करोड़ की हुई जब्ती

पटना (एजेंसी)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की दिशा में चुनाव आयोग ने धनबल, मुफ्त उपहार, नशे, मादक पदार्थों और शराब के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिये सभी संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश जारी किये हैं। इसके साथ ही खर्च की निगरानी के लिये व्यय पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति कर दी गई है, जो नामांकन की अधिसूचना के दिन से ही अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं। चुनाव आयोग ने राज्य पुलिस विभाग, उत्पाद विभाग, आयकर विभाग, वित्तीय खुफिया इकाई, भारतीय रिजर्व बैंक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्व खुफिया निदेशालय, सीजीएसटी, एसजीएसटी, सीमा शुल्क, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल, हवाई अड्डा प्राधिकरण, डाक विभाग, वन विभाग और सहकारिता विभाग सहित अन्य एजेंसियों को सक्रिय कर दिया है। चुनावी खर्च पर नजर रखने के लिये फ्लाइंग स्क्वाड, निगरानी टीमें, वीडियो निगरानी टीमें 24ॐ7 सतर्क रहेंगी। इनका उद्देश्य किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों जैसे नकदी वितरण, मुफ्त वस्तुओं का वितरण या नशीले पदार्थों के इस्तेमाल को समय रहते पकड़ना है।

दीपावली पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा तोहफा, दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखें फोड़ने की दी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने दीपावली के त्योहार के दौरान 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखों की बिक्री और उसे फोड़ने की बुधवार को अनुमति दी। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अन्य की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने इस पर पहले लगे प्रतिबंध में ढील देते हुए कहा कि उद्योग जगत चिंतित है और प्रतिबंध के कारण पारंपरिक पटाखों की तस्करी होती है जिससे अधिक नुकसान होता है। पीठ ने कहा, ष्हमें एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। हरियाणा के 22 जिलों में से 14 जिले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आते हैं।अदालत ने यह भी कहा कि जब प्रतिबंध लगाया गया था, तब कोविड-19 के दौरान

को छोड़कर वायु गुणवत्ता में बहुत अधिक अंतर नहीं आया था। पीठ ने कहा, अर्जुन गोपाल मामले में आए फैसले के बाद ग्रीन पटाखों की अवधारणा शुरू की गई थी। पिछले छह वर्षों में ग्रीन पटाखों ने उत्सर्जन में काफी कमी की है। 14.10.2024 से 1.1.2025 तक इनके निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। पीठ ने आदेश दिया कि ग्रीन पटाखे केवल निर्धारित स्थानों पर ही फोड़े जा सकते हैं। पीठ ने पटाखे फोडने के लिए सुबह छह बजे से सात बजे के तक और रात आठ बजे से 10 बजे तक की अनुमति दी है। शीर्ष अदालत ने 10 अक्टूबर को संकेत दिया था कि वह दीपावली के दौरान ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दे सकती है, लेकिन एक निश्चित समयावधि के साथ। अदालत ने उस दिन कहा था कि दिल्ली-एनसीआर में पटाखे फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध ष्न तो व्यावहारिक है और न ही आदर्श क्योंकि ऐसे प्रतिबंधों का अक्सर उल्लंघन होता है और न्यायसंगत संतुलन की आवश्यकता है।

सोनम वांगचुक अरेस्ट केस-एससी में 29 अक्टूबर को सुनवाई

पत्नी गीतांजलि ने कहा, वे याचिका में बदलाव करना चाहती हैं, कोर्ट ने अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में लद्दाख के एन्वायर्नमेंट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग वाली याचिका पर आज सुनवाई हुई। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो के वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट से कहा कि वे याचिका में कुछ बदलाव करना चाहते हैं। इस पर कोर्ट ने अनुमति दे दी और मामले की सुनवाई 29 अक्टूबर तक टाल दी। सिब्बल ने कहा कि वे याचिका में संशोधन के लिए आवेदन दायर करेंगे और हिरासत के आधार को चुनौती देंगे। सुनवाई के दौरान, सिब्बल ने अनुरोध किया कि वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ कुछ नोट्स का लेने-देने की अनुमति दी जाए। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें वांगचुक के अपनी पत्नी के साथ नोट्स साझा करने में कोई समस्या नहीं है। इस पर कोर्ट ने नोट्स लेने-देने की अनुमति दे दी। इसके पहले जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि जोधपुर

जेल के जेलर ने जो हलफनामा दायर किया है इसमें कहा गया है कि वांगचुक के बड़े भाई और वकील ने उनसे जेल में मुलाकात की थी।मंगलवार को समय की कमी के चलते मामले की सुनवाई एक दिन टाल दी गई थी। मंगलवार को लेह के जिला मजिस्ट्रेट ने सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे में कहा कि वांगचुक की गतिविधियां राज्य की सुरक्षा और शांति के लिए नुकसानदायक थीं। इस मामले में सभी कानूनी और संवैधानिक नियमों का पालन किया गया था। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो के वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई टालने की मांग की थी। गीतांजलि ने 2 अक्टूबर को आर्टिकल 32 के तहत कोर्ट में हेबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने पति की है। के तहत गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। दरअसल, वांगचुक 20 दिनों से जोधपुर की जेल में हैं। उन्हें 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। हिंसा में 4 लोग मारे गए थे। इससे पहले 6 अगस्त की सुनवाई में केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर जवाब मांगा था। वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल ने दलील में कहा था सोनम वांगचुक को जिन कारणों से हिरासत में लिया गया, उसकी कॉपी परिवार को नहीं सौंपी गई है। इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था हिरासत के कारण हिरासत में लिए गए व्यक्ति (वांगचुक) को पहले ही दिए जा चुके हैं। इसकी कॉपी वांगचुक की पत्नी को देने पर विचार किया जाएगा। गीतांजलि ने 2 अक्टूबर को एक्स पोस्ट में लिखा था- 7 दिन बाद भी मुझे सोनम की सेहत, हालत और नजरबंदी के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। गीतांजलि ने वांगचुक के खिलाफ है। लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया था। अंगमो ने कहा था कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की कॉपी नहीं मिली है।

आलोचना से मदद नहीं मिलेगी संकट में लोगों के साथ खड़े रहें

सीएम ममता बनर्जी ने दिया बड़ा बयान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उत्तर बंगाल में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए राज्य के राहत और पुनर्वास प्रयासों की सिर्फ आलोचना करने के बजाय सभी को संकटग्रस्त लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए। दार्जिलिंग हिल्स में एक प्रशासनिक बैठक को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार युद्धस्तर पर पुनर्निर्माण कार्य कर रही है क्योंकि मिरिक, कालिम्पोंग के कुछ हिस्सों, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और अन्य इलाकों में कई मकान, स्वास्थ्य केंद्र और प्रशासनिक भवन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा, केवल (राज्य के राहत और बचाव उपायों की) आलोचना करने से लोगों की परेशानियों को कम करने में मदद नहीं मिलेगी। हमें प्रभावित लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए और मदद करनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से नवगठित पश्चिम बंगाल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में दान देने का आग्रह भी किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

नीत केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, हम पैसे की भीख नहीं मांग रहे हैं, हम सब कुछ संभाल लेंगे। बनर्जी ने पहले दावा किया था कि केंद्र ने उत्तर बंगाल में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में राज्य की मदद के लिए एक पैसा भी जारी नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावितों के बीच राहत किट वितरित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य किसानों को फसल बीमा राशि प्रदान करता है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के जिलाधिकारियों से नुकसान का विवरण देते हुए एक रिपोर्ट तैयार करने और उसे कृषि विभाग को भेजने को कहा। बनर्जी ने कहा कि सरकार ने सब्जियों और जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं को सस्ती कीमतों पर बेचने के लिए 46 नए सुफल बांग्ला आउटलेट खोले हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 29 अक्टूबर को अंबाला आएंगी,एयरफोर्स स्टेशन पर कार्यक्रम की तैयारियां शुरू

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दौरा

अब 29 अक्टूबर को होगा। पहले यह दौरा 18 अक्टूबर को प्रस्तावित था, जिसे बाद में स्थगित कर दिया गया था। राष्ट्रपति का यह दौरा भारतीय वायुसेना के एक कार्यक्रम के तहत निर्धारित किया गया है, जो अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के स्थगित होने के बाद जिला प्रशासन और वायुसेना के अधिकारियों को कुछ राहत मिली थी, लेकिन अब नई तारीख घोषित होते ही तैयारियों का दौर दोबारा तेज हो गया है। एयरफोर्स स्टेशन के अंदर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष प्लान तैयार किया जा रहा है। राष्ट्रपति के इस दौरे के दौरान भारतीय वायुसेना के एक विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्यक्रम में वायुसेना अधिकारियों से बातचीत करेंगी और देश की सुरक्षा एवं रक्षा तैयारियों को लेकर जानकारी लेंगी। सुरक्षा एजेंसियों ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। राष्ट्रपति के दौरे की तारीख तय होते ही प्रशासन ने सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

सिवनी हवाला कांड के 10 आरोपी गिरफ्तार, बेटे को गोद में लिए दिखी एसडीओपी पूजा पांडेय

सिवनी (एजेंसी)। 3 करोड़ रुपये के हवाला मामले में सिवनी जिले के 11 में से 10 पुलिसकर्मियों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी को न्यायालय पेश किया गया। उन पर डकैती, अपहरण और आपराधिक षडयंत्र जैसे गंभीर आरोप हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच कर रहा है। न्यायालय में खचाखच भीड़ के बीच में सभी आरोपियों को ले जाने के बाद कोर्ट से जब उन्हें 2 दिन के रिमांड व स्वास्थ्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। उस दौरान जब आरोपी कोर्ट से बाहर निकले तब न्यायालय परिसर में वकीलों और आमजनों की बड़ी संख्या में भीड़ मौजूद थी। कोर्ट परिसर पूरी तरह खचाखच भरा हुआ था। पुलिस के एक के बाद एक वाहनों में सभी को बैठा कर सबसे पहले जिला अस्पताल स्वास्थ्य परीक्षण के लिए ले जाया गया। वहीं एसडीओपी पूजा पांडेय की गोद में उनका बच्चा भी था। छिंदवाड़ा रेंज के डीआईजी राकेश कुमार सिंह ने पुष्टि की है।

उपेंद्र कुशवाहा का बयान सुनकर बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी, शाह ने बुलाया दिल्ली

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनावों के मद्देनजर एनडीए गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। गठबंधन के अधिकांश सहयोगी दलों में असंतोष खुलेआम जाहिर हो रहा है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा महुआ विधानसभा क्षेत्र को लेकर बेहद खफा हैं। उन्हें समझाने-बुझाने के प्रयास अब तक व्यर्थ साबित हो रहे हैं। कुशवाहा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि (एनडीए में फिलहाल सबकुछ ठीक नहीं है)। इससे गठबंधन के अंदर सीटों पर गहरी नाराजगी का पता चलता है। उनकी नाराजगी की गहराई का अंदाजा इसी से

लगता है कि उन्होंने दोपहर 12 बजे पार्टी की आपात बैठक बुलाई थी, लेकिन बाद में सोशल मीडिया पर संदेश डालकर बताया कि अमित शाह ने उन्हें दिल्ली बुलाया है, इसलिए बैठक टाल दी जा रही है। मामला यह है कि शुरू में महुआ सीट उपेंद्र कुशवाहा के दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा को देने की चर्चा थी, लेकिन अब खबरें हैं कि यह सीट चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी को मिल सकती है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि कुशवाहा अपने पुत्र दीपक प्रकाश कुशवाहा को इसी सीट से चुनाव मैदान में उतारने की योजना बना चुके हैं। उन्हें मनाने के लिए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय और बीजेपी के बिहार इंचार्ज विनोद तावड़े जैसे वरिष्ठ नेता उनके पास पहुंचे।

माओवादी नेता भूपति ने मुख्यमंत्री फडणवीस के सामने किया आत्मसमर्पण

मुंबई (एजेंसी)। गढ़चिरौली में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) पोलित ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति ने बुधवार को अपने 60 साथियों के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने आत्मसमर्पण किया। गढ़चिरौली पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उसने आत्मसमर्पण किया। भूपति और उसके सहयोगियों ने औपचारिक रूप से अपने 54 हथियार मुख्यमंत्री को सौंपे जिनमें सात एके-47 और नौ इंसास राइफल शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने भूपति और उनके सहयोगियों का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए उन्हें भारतीय संविधान की

प्रतियां सौंपी जो लोकतांत्रिक समाज में उनके शामिल होने को प्रोत्साहित करने का एक प्रतीकात्मक संकेत है। अधिकारियों ने इस घटना को नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में सबसे बड़ा आत्मसमर्पण कहा और इसे मध्य भारत में माओवादी विद्रोह के लिए एक बड़ा झटका करार दिया है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और आज की घटना को उस उद्देश्य की प्राप्ति की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भूपति भाकपा (माओवादी) का एक प्रमुख रणनीतिकार था और लंबे समय से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर सक्रिय था। हालांकि हाल के महीनों में कथित रूप से उसके माओवादी नेतृत्व के साथ वैचारिक मतभेद हो गए थे और उसने सशस्त्र संघर्ष से मोहभंग होने और इसके बदले बातचीत का रास्ता अपनाने की वकालत की थी। माना जा रहा है कि भूपति ने स्वीकार किया है कि नक्सली आंदोलन को लोकप्रिय समर्थन नहीं मिला तथा सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपनी जान गंवा दी जिसे उसने निरर्थक हिंसा कहा।

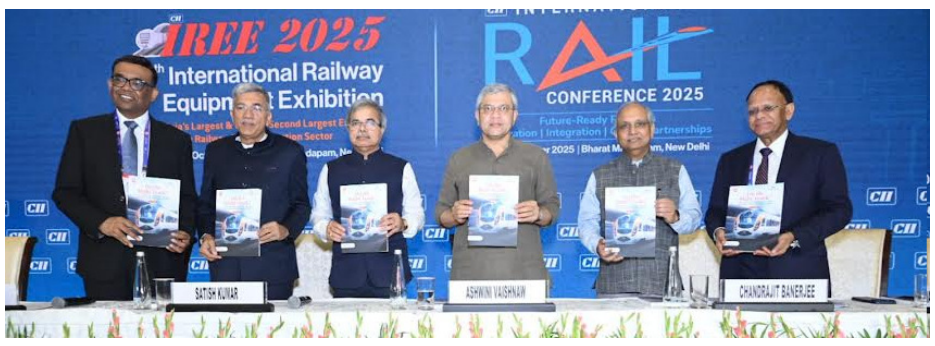

अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में 'भविष्य के लिए तैयार रेलवे' विषय पर 16वीं अंतर्राष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली,: केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में एशिया की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रेलवे प्रदर्शनी, 16वीं अंतर्राष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ने समर्पित यात्री गलियारे विकसित करने की योजना की घोषणा की, जो 350 किमी प्रति घंटे तक की अधिकतम गति और 320 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति के लिए तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में ऐसे कई गलियारे बनाए जाएंगे, जो सरकार के विकसित भारत विजन का हिस्सा होंगे, जिसका लक्ष्य 2047 तक लगभग 7,000 किलोमीटर समर्पित यात्री मार्गों का विकास करना है। ये गलियारे स्वदेशी रूप से विकसित सिग्नलिंग सिस्टम और आधुनिक संचालन नियंत्रण केंद्रों (ओसीसी) से लैस होंगे। मंत्री ने कहा कि वंदे भारत एक बड़ी सफलता है। तकनीकी मापदंडों पर, यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर है। भारत अगली पीढ़ी की हाई-स्पीड ट्रेनों पर काम कर रहा है, जिसमें निर्यात बाजार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत वर्तमान में वंदे भारत 3.0 का संचालन कर रहा है मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वंदे भारत 3.0 पहले से ही अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करती है, जो केवल 52 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है - जापान और यूरोप की कई ट्रेनों से भी तेज - जबकि शोर और कंपन का स्तर कम रहता है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत 4.0 अगले 18 महीनों के भीतर लॉन्च होने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य प्रदर्शन और यात्री अनुभव के हर पहलू में वैश्विक मानक स्थापित करना है। नया संस्करण शौचालयों को बेहतर बनाने, सीटों में सुधार और कोचों की समग्र कारीगरी को बेहतर बनाने पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि वंदे भारत 4.0 को वैश्विक मानक के रूप में स्थापित करना है, एक ऐसी ट्रेन जो गुणवत्ता और आराम के मामले में इतनी उन्नत हो कि दुनिया भर के देश इसे अपनाने की ख्वाहिश रखें। मंत्री ने अमृत भारत ट्रेनों की प्रगति पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगले 36 महीनों के भीतर, नई पीढ़ी के यात्री इंजनों का डिजाइन, निर्माण और परीक्षण के लिए तैयार होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए, रेल बजट में लगातार वृद्धि की गई है। पिछले 11 वर्षों में, 35,000 किलोमीटर से अधिक नई पटरियाँ बिछाई गई हैं और 46,000 किलोमीटर विद्युतीकरण पूरा किया गया है। उन्होंने बताया कि विश्व स्तर पर, भारतीय रेलवे अब एक प्रमुख निर्यातक के रूप में भी उभर रहा है। भारत में निर्मित रेल इंजनों का निर्यात अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और कई अन्य देशों को किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अब पूरे भारत में 156 वंदे भारत सेवाएँ, 30 अमृत भारत सेवाएँ और 4 नमो भारत सेवाएँ चल रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 7,000 से ज्यादा कोच, लगभग 42,000 वैगन और 1,681 लोकोमोटिव का उत्पादन किया जाएगा। इसके साथ ही, देश के पहले 9,000 एचपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव का उद्घाटन किया गया, जबकि 12,000 एचपी लोकोमोटिव पहले से ही परिचालन में हैं। श्री वैष्णव ने यह भी कहा कि प्रतिदिन 2 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को सेवा प्रदान करने वाला भारतीय रेलवे अब अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए माल परिवहन में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया है। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का काम 99% पूरा हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, देश भर में 1,300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। भारतीय रेलवे ने कई उल्लेखनीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी निर्माण किया है, जिनमें एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊँचा चिनाब ब्रिज, पंबन में भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज और कुतुब मीनार से 42 मीटर ऊँचा बैराबी सैरांग ब्रिज शामिल हैं। रेलवे में सुरक्षा और तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए चालू वित्त वर्ष में ?1.16 लाख करोड़ का बजट आवंटित किया गया है, जिसमें स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली कवच ??भी शामिल है। इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री सतीश कुमार और गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. (डॉ.) मनोज चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। 'भविष्य के लिए तैयार रेलवे' विषय पर आधारित यह प्रदर्शनी 15 से 17 अक्टूबर 2025 तक भारत मंडपम में आयोजित की जा रही है।

युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तैयार किया जा रहा है - मंत्री

लखनऊ,: प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले मंत्री आशीष पटेल ने मंगलवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर ले जाने हेतु आयोजित महत्त्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्राविधिक शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं डिलाइट टीम के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य को साकार करने हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर लाने उत्तर प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार करना था। बैठक में तकनीकी शिक्षा को उद्योगों की आवश्यकताओं से जोड़ने, स्टार्टअप्स, इनोवेशन, रिसर्च एवं स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही विभागीय संस्थानों द्वारा विकसित केंद्रीकृत प्लेसमेंट पोर्टल, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों/संस्थानों के साथ हुए एमओयू तथा ठअअउ/ठइअ मान्यताओं के माध्यम से युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तैयार किये जाने की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि राज्य के तकनीकी संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारपरक प्रशिक्षण और उद्योगों से प्रत्यक्ष जुड़ाव के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। इस पहल से उत्तर प्रदेश के युवा न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देंगे बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

वित्तीय साक्षरता, डिजिटल दक्षता और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता ग्रामीण उत्तर प्रदेश

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन मे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के अभिनव प्रयास किया जा रहे हैं। स्वयं सहायता समूहो से जुड़ी महिलाओ को विभिन्न गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक, शैक्षिक व सामाजिक रूप से सशक्त व मजबूत बनाया जा रहा है, इसी दिशा में सी एल एफ स्तर पर सक्षम सेंटरो की स्थापना की जा रही है। सक्षम सेंटर ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हो रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से महिलाएँ न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने परिवार और समुदाय को भी आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। महिला सशक्तिकरण एवं वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) के तहत प्रदेश के सीएलएफ (उ'४२३ी१ छीपी' त्रीी१ं३ङ्कल्ल) स्तर पर सक्षम सेंटर की स्थापना की जा रही है। अब तक प्रदेश में लगभग 1900 सक्षम सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं। इन सेंटरों के प्रभावी संचालन हेतु कुल 4695 ऋल्लल्लू' छ३ी१ं८ उङ्कै४ल्ल३८ फी२ङ्क४१ी ढी१२ङ्कल्ल (ऋछउफढ) की नियुक्ति की गई है, जो ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय, डिजिटल एवं उद्यमिता संबंधी प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। सक्षम सेंटरों का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सेवाओं की पहुँच, सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी, डिजिटल लेनदेन, और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। इन सेंटरों के माध्यम से प्रशिक्षित महिलाएँ अपने समुदाय में बी.सी. सखी, डिजिटल सेवा प्रदाता एवं सूक्ष्म उद्यमी आदि के रूप में कार्य कर रही हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। वढरफ्छट की मिशन निदेशक श्रीमती दीपा रंजन ने बताया कि, आगामी समय में प्रदेश के सभी उछत्रह्रस्तरों पर सक्षम सेंटरों की स्थापना व (FLCRP) की तैनाती किये जाने की दिशा मे कार्य किया जा रहा है, जिससे वित्तीय समावेशन और अधिक गति प्राप्त करेगा तथा ग्रामीण महिलाएँ नए भारत की सशक्त भागीदार बनेंगी। UPSRLM के इस अभिनव प्रयास से प्रदेश की हजारों महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर, जागरूक एवं सशक्त बन रही हैं। सक्षम सेंटर न केवल प्रशिक्षण के केंद्र हैं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और स्वावलंबन की दिशा में एक ठोस कदम साबित हो रहे हैं।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जन भागीदारी बढ़ाने हेतु हस्ताक्षर अभियान

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक विशेष स्वच्छता अभियान-5.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत 15 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता के प्रति भागीदारी बढ़ाने के लिए यात्रियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ हस्ताक्षर अभियान चलाया गया तथा स्टेशनों पर साफ-सफाई की गई तथा पौधारोपण किया गया। 15 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जन भागीदारी बढ़ाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। व्यापक स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता अभियानों के तहत रेलवे स्टेशनों पर प्लॉगिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम फिटनेस तथा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने और नागरिकों को सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए किया गया। इस दौरान स्वच्छ स्टेशन विषय के अन्तर्गत सफाई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों एवं कर्मचारियों को ह्यसिंगल यूज प्लास्टिक निषेधह्य हेतु जागरूक किया गया। इस दौरान अधिकारियों और स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्टेशन परिसर और रेलवे कॉलोनियों का गहन निरीक्षण कर चिन्हित स्थानों की सफाई कराई। विशेष स्वच्छता अभियान-5.0 के अन्तर्गत यात्रियों से अमृत संवाद किया गया एवं चिन्हित स्थानों पर पौधारोपण किया गया।

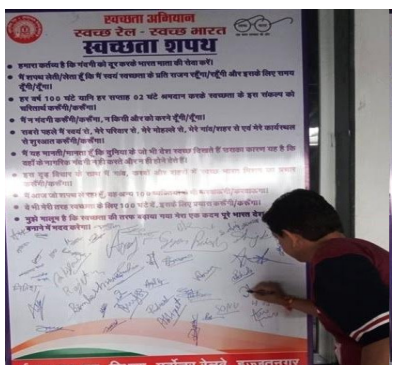

डंपर की टक्कर के बाद टायर के नीचे आने से महिला की मौत

वाराणसी ।कूड़ा डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार महिला टायर के नीचे आ गई और कुचलकर उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद नाराज लोगों ने चक्काजाम कर दिया। वाराणसी जिले में बुधवार को दर्दनाक हादसा हुआ। एक कूड़ा डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। जिसके बाद नाराज लोगों ने चक्काजाम कर दिया। आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई व मुआवजे की मांग करते हुए लोग मौके पर अड़े रहे। कैसे हुआ हादसा खानपुर सीखड़ मिर्जापुर निवासी रत्नेश विश्वकर्मा (35), पत्नी सरला विश्वकर्मा (30), पुत्र आयुष विश्वकर्मा (10), पुत्री श्रुति (06) के साथ बाइक से घर से खनाव अपने बुआ के यहां गृह प्रवेश में सम्मिलित होने के लिए आ रहे थे। बच्छाव बाजार में पहुंचे थे कि तेज रफ्तार कूड़ा डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे असंतुलित होकर बाइक सवार सभी लोग सड़क पर गिर गए। सरला विश्वकर्मा दाहिने तरफ सड़क पर गिरी और डंपर के टायर के नीचे आ गई, जिससे घटनास्थल पर ही सरला की मौत हो गई। वहीं पति रत्नेश, पुत्र आयुष और पुत्री श्रुति को हल्की चोट लगी। कूड़ा डंपर अखरी की तरफ से कूड़ा डंपिंग यार्ड करसड़ा जा रहा था। घटना के बाद डंपर चालक थोड़ी दूरी पर वाहन खड़ा कर भाग निकला। घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने अखरी चुनार मार्ग पर बच्छाव बाजार में चक्काजाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची और लोगों को काफी समझाने का प्रयास करने में जुट गई। उधर, घटना से नाराज लोग जाम हटाने को तैयार नहीं थे। लोगों का कहना था कि आए दिन नगर निगम की गाड़ियां कूड़ा लेकर जाती हैं, जिससे दुर्घटना होती है। डंपर चालक बाजार में भी काफी तेज गति से जाते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोग उचित मुआवजा की मांग और कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने लोगों को समझा बूझाकर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायलों को इलाज के लिए निजी चिकित्सालय ले गए। वहीं घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

गोरखपुर जं. स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया का निरीक्षण करते हुये अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल साथ में वरिष्ठ अधिकारी

गोरखपुर,: अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल ने आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों के अवसर पर भीड़ प्रबन्धन को ध्यान में रखते हुये 15 अक्टूबर, 2025 को गोरखपुर जं. स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबन्धक/इन्फ्रा, लखनऊ श्री भुवनेश सिंह, मुख्यालय एवं लखनऊ मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। भीड प्रबन्धन के मद्देनजर गोरखपुर जं. स्टेशन पर ड्रोन कैमरों के माध्यम से स्टेशन की पूरी मॉनिटरिंग की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल ने गोरखपुर जं. स्टेशन पर बने सभी 05 अस्थाई यात्री आश्रय स्थलों, पार्किंग स्थलों, सकुर्लेटिंग एरिया, रेल वाटिका, सी.सी.टी.वी. कक्ष, वॉर रूम तथा प्लेटफॉर्मों का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान अपर महाप्रबन्धक ने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने अस्थाई यात्री आश्रय स्थल में यात्रियों हेतु उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया तथा शुद्ध पेय जल की व्यवस्था एवं प्रसाधनों की साफ-सफाई को देखा। निरीक्षण के दौरान अपर महाप्रबन्धक ने सकुर्लेटिंग एरिया को वाहन फ्री रखने हेतु सुझाव दिये, जिससे त्यौहारों के समय यात्रियों का आवागमन सुचारू रूप से हो सके। श्री शुक्ल ने प्लेटफॉर्म संख्या 3 एवं 4 पर रेलवे ट्रैक एवं ड्रेनेज की सफाई हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। उन्होंने एस्केलेटर, साइनेजेज एवं स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। श्री शुक्ल ने संरक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये यात्री सुविधाओं को बेहतर करने हेतु आवश्यक सुझाव दिये तथा रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) के जवानों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान अपर महाप्रबन्धक ने व्हीकल मूवमेंट प्लान का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अपर महाप्रबन्धक ने गोरखपुर जं. स्टेशन पर चल रही निर्माण परियोजनाओं का भी अवलोकन किया और सम्बन्धित को परियोजनाओं को पूरी गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करने हेतु दिशा-निर्देश दिये।

संक्षिप्त खबरें

2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05541/05542 दरभंगा-यशवन्तपुर-दरभंगा पूजा विशेष गाड़ी का संचलन दरभंगा से 20 अक्टूबर से 17 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक सोमवार को तथा यशवन्तपुर से 23 अक्टूबर से 20 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05541 दरभंगा-यशवन्तपुर पूजा विशेष गाड़ी 20 अक्टूबर से 17 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक सोमवार को दरभंगा से 15.35 बजे प्रस्थान कर समस्तीपुर से 17.05 बजे, मुजफ्फरपुर से 18.10 बजे, हाजीपुर से 19.35 बजे, सोनपुर से 19.47 बजे, छपरा से 21.40 बजे, सीवान से 22.35 बजे, देवरिया सदर से 23.40 बजे, दूसरे दिन गोरखपुर से 01.05 बजे, गोण्डा से 04.15 बजे, ऐशबाग से 07.55 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 09.55 बजे, उरई से 11.55 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 14.00 बजे, बीना से 16.30 बजे, भोपाल से 19.05 बजे, इटारसी से 21.20 बजे, अमला से 22.29 बजे, तीसरे दिन नागपुर से 04.00 बजे, चन्द्रपुर से 06.42 बजे, बल्हारशाह से 07.05 बजे, रामगुंडम से 10.10 बजे, काजीपेट से 11.50 बजे, काचेगुडा से 14.25 बजे, महबूबनगर से 16.00 बजे, डोन से 22.00 बजे, चौथे दिन हिन्दूपुर से 00.04 बजे तथा येलहंका से 01.20 बजे छूटकर यशवन्तपुर 02.30 बजे पहुंचेगी।

2025 को 08 फेरों के लिए निम्नवत चलाया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्री जनता की मांग पर 04406/04405 शकूरबस्ती-सहरसा-शकूर बस्ती अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन शकुर बस्ती से 17, 18, 19, 22, 23, 24, 25 एवं 26 अक्टूबर, 2025 को तथा सहरसा से 19, 20, 21, 24, 25, 26, 27 एवं 28 अक्टूबर, 2025 को 08 फेरों के लिए निम्नवत चलाया जायेगा। 04406 शकूर बस्ती-सहरसा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 17, 18, 19, 22, 23, 24, 25 एवं 26 अक्टूबर, 2025 को शकूर बस्ती से 20.15 बजे प्रस्थान कर नई दिल्ली से 21.40 बजे, गाजियाबाद से 22.15 बजे, दूसरे दिन अलीगढ़ से 00.05 बजे, टूण्डला से 03.00 बजे, इटावा से 04.12 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.45 बजे, उन्नाव से 08.25 बजे, ऐशबाग से 09.50 बजे, बादशाहनगर से 10.10 बजे, बाराबंकी से 10.55 बजे, गोंडा से 12.30 बजे, बस्ती से 13.45 बजे, खलीलाबाद से 14.10 बजे, गोरखपुर से 15.40 बजे, देवरिया सदर से 16.40 बजे, सीवान से 17.45 बजे, छपरा से 19.25 बजे, सोनपुर से 20.55 बजे, हाजीपुर से 21.20 बजे, मुजफ्फरपुर से 22.30 बजे, समस्तीपुर से 23.35 बजे, तीसरे दिन दलसिंहसराय से 00.15 बजे, बरौनी से 01.40 बजे, बेगूसराय से 02.05 बजे, खगड़िया से 02.50 बजे तथा मानसी से 03.25 बजे छूटकर सहरसा 05.30 बजे पहुँचेगी।

2025 को 05 फेरों के लिए निम्नवत चलाया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्री जनता की मांग पर 04410/04409 शकूर बस्ती-झंझारपुर-शकूर बस्ती अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन शकुरबस्ती से 22, 23, 24, 25 एवं 26 अक्टूबर, 2025 को तथा झंझारपुर से 23, 24, 25, 26 एवं 27 अक्टूबर, 2025 को 05 फेरों के लिए निम्नवत चलाया जायेगा। 04410 शकूर बस्ती-झंझारपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 22, 23, 24, 25 एवं 26 अक्टूबर, 2025 को शकूर बस्ती से 13.00 बजे प्रस्थान कर नई दिल्ली से 14.20 बजे, गाजियाबाद से 15.05 बजे, अलीगढ़ से 17.00 बजे, दूसरे दिन कानपुर सेंट्रल से 00.05 बजे, उन्नाव से 00.47 बजे, ऐशबाग से 02.10 बजे, बादशाहनगर से 02.40 बजे, गोंडा से 04.50 बजे, गोरखपुर से 07.30 बजे, कप्तानगंज से 08.50 बजे, नरकटियागंज से 11.40 बजे, रक्सौल से 12.45 बजे, सीतामढ़ी से 14.50 बजे तथा शिशो हाल्ट से 16.20 बजे छूटकर झंझारपुर 18.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04409 झंझारपुर-शकूर बस्ती अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 23, 24, 25, 26 एवं 27 अक्टूबर, 2025 को झंझारपुर 20.30 बजे प्रस्थान कर शिशो हाल्ट से 21.40 बजे, सीतामढ़ी से 23.30 बजे, दूसरे दिन रक्सौल से 01.05 बजे, नरकटियागंज से 02.25 बजे, कप्तानगंज से 06.02 बजे, गोरखपुर से 07.40 बजे, गोंडा से 10.20 बजे, बादशाहनगर से 12.40 बजे, ऐशबाग से 13.20 बजे, उन्नाव से 14.50 बजे, कानपुर सेंट्रल से 15.40 बजे, अलीगढ़ से 20.30 बजे, गाजियाबाद से 23.50 बजे तथा तीसरे दिन नई दिल्ली से 00.50 बजे छूटकर शकूर बस्ती से 01.40 बजे पहुँचेगी।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 14 अक्टूबर, 2025 को गाड़ी सं0 15109 के रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट स्कोर्ट द्वारा निगरानी के दौरान 16 वर्ष के एक नाबालिग लड़के को लावारिस हालत में पाकर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कासगंज को सौंपा गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के को चाइल्ड लाइन, कासगंज को सुपुर्द किया गया। 13 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ जं0 को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2/3 पर 14 वर्ष का एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, लखनऊ जं0 को सुपुर्द किया गया। 13 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ जं0 को निगरानी के दौरान स्टेशन के यात्री हाल में 15 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, लखनऊ जं0 को सुपुर्द किया गया। 14 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान को निगरानी के दौरान सीवान स्टेशन के पूछताछ केन्द्र के पास से एक शातिर अपराधी को मोबाइल चोरी कर भागते समय गिरफ्तार किया गया। 13 अक्टूबर, 2025 को अपराध आसूचना शाखा, वाराणसी, राजकीय रेलवे पुलिस, बलिया व रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट के संयुक्त निगरानी के दौरान बलिया स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 के पूर्वी छोर पर यात्री से चोरी किये हुए मोबाइल के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। 14 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 04090 में यात्री का छूटा 03 बैग मिला, जिसे छपरा पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त तीनों बैग सुपुर्द किये गये। 13 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कप्तानगंज को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15001 में यात्री का छूटा 02 बैग मिला, जिसे कप्तानगंज पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त दोनों बैग सुपुर्द किये गये। 13 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12556 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के परिचित के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार, सेंसेक्स 575 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 575.45 अंक उछलकर 82,605.43 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.05 अंक की बढ़त के साथ 25,323.55 पर बंद हुआ। एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में लिवाली से बुधवार को भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा इस महीने के अंत में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच यह तेजी आई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 575.45 अंक या 0.70 प्रतिशत उछलकर 82,605.43 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 697.04 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 82,727.02 अंक पर पहुंच गया।

संक्षिप्त समाचार

हॉकी मैच खेलकर दी अनिकेत वरुण को श्रद्धांजलि

ग्वालियर। पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी अनिकेत वरुण की स्मृति में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के हॉकी फीडर सेंटर दर्पण मिनी स्टेडियम में मंगलवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर हॉकी खिलाड़ियों ने प्रदर्शन मैच खेलकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मैच के पश्चात अनिकेत वरुण के माता-पिता और दिलशाद खान ने सभी खिलाड़ियों को टी-शर्ट वितरित की। इस अवसर पर वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी भागीरथ शर्मा, तरनेश तपन, फिरोज खान, संगीता दीक्षित तथा एनआईएस कोच अविनाश भटनागर मौजूद रहे।

करंट लगने से महिला की हालत गंभीर

भितरवार। खिरिया गांव में 30 वर्षीय महिला की करंट लगने से हालत गंभीर हो गई। भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार रचना रावत 30 वर्ष पत्नी जितेंद्र रावत मंगलवार को दोपहर के समय अपने घर में पानी की मोटर चलाने के लिए बिजली का तार लगा रही थीं। इसी दौरान एक तार गिरने से उसे करंट लग गया। वहीं बागवई गांव में भी एक किशोर को पानी की मोटर के तार निकालते समय करंट लग गया। जिसे परिजन तत्काल भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां किशोर का उपचार किया गया।

मिठाई और कपड़ों का किया वितरण

ग्वालियर। जैन मिलन महिला फालका बाजार द्वारा दीपावली के अवसर पर मनोरंजन पार्क, जेसी मिल रोड पर जरूरतमंद लोगों को मिठाई, राशन, कपड़े, दीपक, खील और बताशे वितरित किए। इस मौके पर अध्यक्ष शैफाली जैन, इन्दु जैन, रजनी जैन आदि उपस्थित रहीं।

दीपावली 21 को मनेगी

डबरा। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी दीपावली अमावस्या तिथि दो दिन पड़ने से लोगों के बीच भ्रम की स्थिति बनी हुई है। लोग सोच रहे हैं कि दीपावली 20 अक्टूबर को मनाएं या 21 अक्टूबर को। पं. सुनील कृष्ण शास्त्री ने बताया कि 20 अक्टूबर को अमावस्या शाम 3:45 बजे आएगी, जो चतुर्दशी युक्त तिथि है। जबकि 21 अक्टूबर को सूर्योदय व सूर्यास्त अमावस्या तिथि में हो रहा है। साथ ही अमावस्या प्रदोष व्यापनी है। इसलिए धर्मसिंधु, निर्णयसिंधु आदि के अनुसार दीपावली 21 अक्टूबर को ही सर्वमान्य रहेगी। पं.विश्वेश्वर दयाल बौहरे, पं. हरिदास शास्त्री, हरिओम शरण शास्त्री, जितेंद्र शास्त्री, रामकुमार चिसोदिया पिछोर, हेमंत सूरवारिया आदि ज्योतिर्विद के अनुसार भी दीपावली का पर्व 21 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

लोडिंग वाहन से जब्त किए अवैध पटाखे

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित सुआलाल का पुरा के पास लोडिंग वाहन में भरकर ले जाए जा रहे अवैध पटाखे पुलिस ने जब्त किए हैं। इस दौरान पटाखे ले जा रहे एक युवक को भी पुलिस ने पकड़ा है। बताया गया है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि लोडिंग वाहन में अवैध पटाखे भरकर ले जाए जा रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस सुआलाल का पुरा के रास्ते पर पहुंची। जहां से गुजर रहे एक लोडिंग वाहन को रोककर जब उसकी तलाशी ली तो उसमें भारी मात्रा में पटाखे रखे हुए थे। उक्त पटाखे अवैध थे। वाहन में 12 पेटी पटाखे मिले हैं।

आईटीएम में फूड टेक्नोलॉजी छात्रों ने दिखाई नवाचार की झलक

■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेस के फूड टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा फूड सेफ्टी एंड हाइजीन क्लब और बायोप्रेमिया सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से स्वस्थ प्रोसेसिंग, संरक्षण एवं पैकेजिंग तकनीकों विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन वाइस चांसलर प्रो. योगेश उपाध्याय एवं रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह ने किया।

प्रदर्शनी में फूड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने फ्रूट जैम-जेली, मसाला मिश्रण, बादाम-मूंगफली कुकीज, केक प्रीमिक्स, केला चिप्स और कोल्ड-प्रेस्ड वेजिटेबल ऑयल जैसे नवीन उत्पादों का प्रदर्शन किया, जो आकर्षण का केंद्र रहे। प्रो. उपाध्याय ने विद्यार्थियों के नवाचार और तकनीकी दक्षता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास छात्रों को आत्मनिर्भर और उद्यमशील बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह ने छात्रों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने में सहायक हैं। इस अवसर पर इस अवसर पर विभाग की डीन डॉ. ऋचा कोठारी, कार्यक्रम समन्वयक काजोल बट्टा व सृष्टि मोदी सहित अन्य मौजूद रहे।

भोजन सेवा नहीं, बल्कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का माध्यम

■ ग्वालियर

सेवा की भावना जब कर्म बन जाती है, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मिसाल बनती है। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है प्रभुजी आहार फाउंडेशन की, जिसने 11 अक्टूबर 2025 को

अपनी स्थापना के छह वर्ष पूरे किए। यह संस्था वर्ष 2019 में ग्वालियर में काम कर जरूरतमंद लोगों को भोजन करा रही है। संस्था की शुरूआत आदित्य शर्मा द्वारा की गई।

आदित्य शर्मा ने बताया कि सेवा की शुरुआत जिला अस्पताल से हुई। यहां आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन परोसा जाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल भोजन नहीं, बल्कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि भोजन सेवा के साथ-साथ संस्था द्वारा जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री वितरित की जाती है। फाउंडेशन द्वारा पौधरोपण अभियान, जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सहयोग और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम भी निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संस्था ने यह साबित किया है कि अगर इच्छाशक्ति और निस्वार्थ भाव हो तो किसी भी संसाधन के बिना भी बड़ा परिवर्तन संभव है।

खुर्दपार में नए भवन का लोकार्पण

■ ग्वालियर

गुरुद्वारा साहिब खुर्दपार में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर की सांसद निधि से स्वीकृत 12 लाख 87 हजार रुपए के भवन निर्माण का उद्घाटन किया गया। श्री शेजवलकर ने भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में भितरवार विधायक मोहनसिंह राठौर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रद्युम्न सिंह पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष बज्जर सिंह गुर्जर, आदेश शर्मा, आंतरी मंडल अध्यक्ष कुलवंत सिंह बाजवा, रणजीत सिंह रंधावा, हरप्रीत सिंह, शैलेंद्र सिंह समाया, हरदीप सिंह दौलतपुर, तरसेम सिंह संधू, संदीप सिंह ,जनपद अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जाटव, विनोद बघेल, सतेंद्र किरार, मुकेश भार्गव, मुकेश पटेल, प्रेम सिंह कुशवाहा साहित सिख समाज एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाजार में भटक रही महिला को एफआरबी ने परिजनों से मिलाया

■ पोरसा

मानवता की मिसाल पेश करते हुए पुलिस की एफआरवी (112) टीम ने एक भटकी हुई महिला को सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुंचाया। मामला पोरसा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नगरा क्षेत्र का है। जहां शिवपुरी जिले से मजदूरी करने आई एक महिला अपने परिवार से बिछड़ गई थी।

जानकारी के अनुसार शिवपुरी निवासी राजकुमारी पत्नी भगवंत मजदूरी करने के लिए पोरसा क्षेत्र के पिपरीपूठ गांव में अपने परिवार के साथ आई थी। सोमवार को राजकुमारी अपने पति के साथ शहर किसी काम से आई थी। इसी दौरान अटेर रोड पर राजकुमारी अपने पति से बिछड़कर भटक गई और अपने ठिकाने का कोई पता पता नहीं बता पा रही थी। अटेर रोड तिराहे पर रात्रि 11 बजे अकेली महिला को देखकर कुछ स्थानीय महिलाओं ने उसकी मदद के लिए पुलिस थाने पहुंचाया। थाने में सूचना मिलते ही 112 एफआरवी टीम सक्रिय हुई और महिला से पूछताछ की लेकिन वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं थी। ग्रामीणों से उसके परिजनों के बारे में पूछताछ की तो ग्राम पिपरी पूठ में मजदूर का होना बताया गया। इसके बाद एफआरवी वाहन की मदद से महिला को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाया गया। इस दौरान एफआरवी पर पदस्थ आरक्षक रविंद्र गुर्जर एवं चालक शंकर शर्मा की सराहनीय भूमिका रही। उन्होंने न केवल महिला की सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि मानवीय संवेदनाओं का उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

बच्चों का कराया अन्नप्राशन महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण

■ राष्ट्रीय पोषण माह के तहत संभागीय कार्यशाला आयोजित

■ ग्वालियर

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत मंगलवार को बाल भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संभागीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें स्थानीय खाद्यान्नों से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी दौरान छोटे बच्चों का अन्न प्राशन कराया गया और महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों ने संतुलित आहार, हरी सब्जियों और दालों के महत्व पर प्रकाश डाला। संयुक्त संचालक सीमा शर्मा ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में परिवार की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के पोषण में पुरुषों की सहभागिता बढ़ाना जरूरी है। डॉ. रीता मिश्रा ने दैनिक आहार में स्थानीय खाद्य पदार्थों को शामिल करने और किचन गार्डन बनाने की सलाह दी। वहीं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर ने एनीमिया नियंत्रण एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण की जानकारी दी।

कार्यशाला में पांच महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने स्थानीय खाद्यान्नों से पौष्टिक व्यंजन विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें अनस खान प्रथम, प्रियांशु कुमार द्वितीय और अन्वेष सोनी तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी उपवास राय, सहायक संचालक राहुल पाठक, अंजू तोमर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

[हादसा] गोरस-कलमी के बीच कार से टकराई मोटरसाइकिल

सड़क दुर्घटना में ससुर-बहू की मौत, दामाद घायल

■ कराहल/श्योपुर

दीपावली का त्योहार दुबड़ी-बरगवां निवासी पटेलिया परिवार के लिए मातम में बदल गया। भीषड़ सड़क दुर्घटना में बाबा ससुर और बहू की मौत हो गई। उनके साथ मोटरसाइकिल पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका उपचार श्योपुर जिला चिकित्सालय में चल रहा है।

देहात थाना पुलिस के अनुसार मंगलवार को पूर्वान्ह लगभग 11 बजे गोरस-कलमी के बीच तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल की भिड़ंत हो गई। इस भीषण सड़क

श्योपुर से मजदूरी कर दीपावली मनाने जा रहे थे घर

दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार कूका पुत्र शामला पटेलिया उम्र 40 वर्ष एवं टिबली पत्नी महेश पटेलिया 20 वर्ष निवासी ग्राम दुबड़ी थाना बरगवां की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि मोटरसाइकिल पर सवार ओमकार पुत्र परशु पटेलिया उम्र 35 साल निवासी करियादेह गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि तीनों लोग श्योपुर से मजदूरी करने के बाद दीपावली का त्योहार मनाने के लिए अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान गोरस-कमली के बीच उनकी कार से भिड़ंत हो गई। जानकारी के अनुसार कूका पटेलिया मृतका टिबली का बाबा ससुर और घायल ओमकार पटेलिया दामाद बताया गया है।

घटना के बाद फरार हो गया कार चालक

गोरस-कलमी के बीच मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-31 जेडबी 6297 और कार क्रमांक यूपी 85 एफसी 6638 की जबरदस्त भिड़ंत के बाद जहां मोटरसाइकिल सवार कूका और टिबली ने मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं ओमकार गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कार सवार मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में मोटरसाइकिल और कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

इनका कहना है

कलमी-गोरस के बीच कार-बाइक की भिड़ंत हुई है। इस हादसे में दुबड़ी के दो लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों को पीएम कराया गया है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

-**शशि तोमर**, थाना प्रभारी, देहात

ग्वालियर के खिलाड़ियों ने जीते पांच पदक

■ ग्वालियर

मप्र ताइक्वांडो संघ भोपाल व जिला ताइक्वांडो संघ सागर द्वारा 12 से 13 अक्टूबर तक सागर में आयोजित की गई 37वीं जूनियर राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में ग्वालियर के खिलाड़ियों शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 रजत तथा 4 कांस्य पदक सहित कुल पांच पदकों पर कब्जा किया। जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव अजय गुप्ता ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में आर्यन भदौरिया ने रजत तथा शुभांश शर्मा, आर्यन मुदगल, माधव निभास्कर तथा सत्येन्द्र रावत ने कांस्य पदक पर पंच लगाया। ग्वालियर के दल का नेतृत्व कोच कृष सोनी ने किया तथा निर्णायक की भूमिका राष्ट्रीय रैफरी दीपक कुशवाह तथा रघु सिंह ने निभाई। सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर के अध्यक्ष रणवीर सिंह तोमर सहित अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी।

जौरा कस्बे में पकड़ी मिलावटी खाद्य सामग्री बनाने की फैक्ट्री

■ जौरा

मिलावटखोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शुभम शर्मा ने एसडीओपी नितिन बघेल के साथ औचक छापामार कार्रवाई करते हुए मिलावटी खाद्य सामग्री बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है।

बीते सोमवार की शाम अधिकारियों को मुखबिर से सूचना मिली कि सब्जी मंडी के पीछे बुरावली मार्ग पर मिलावटी खाद्य सामग्री बनाने का कारखाना संचालित है। जहां खाद्य सामग्री बनाई जा रही है। इस पर से एसडीएम शुभम शर्मा, एसडीओपी

नितिन बघेल, नगर निरीक्षक दर्शन शुक्ला सहित अन्य कर्मचारी उक्त फैक्ट्री पर पहुंचे। जहां छोटू पाल पुत्र हुकम सिंह पाल के यहां बूंदी के लड्डू, मिल्क केक, मिलावटी दूध सहित अन्य सामग्री मिली। मौके पर रवा रिफाइंड गोल मिल्क सहित अन्य खाद्य सामग्री भारी मात्रा में पाई गई।

एसडीएम ने तत्काल खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेन्द्र सिरोहिया एवं अनिल प्रताप सिंह परिहार को मौके पर बुलाया। खाद्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मिलावटी खाद्य वस्तुओं के नमूने लेने की कार्रवाई की। बताया गया है कि छोटू पाल काफी समय से मिलावटी खाद्य सामग्री बनाने का कार्य कर रहा था। यहां बनने वाले बूंदी का लड्डू 70 रुपए किलो बेचा जाता था जबकि बाजार में यही बूंदी के लड्डू 400 से 500 रुपए प्रति किलो तक बिकता है। इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 70 रुपए किलो बिकने वाले बूंदी के लड्डू की गुणवत्ता कैसी होगी।

घर के आंगन में सो रहे पति-पत्नी पर जंगली जानवर ने किया हमला

घायल दंपति को गोहद अस्पताल से ग्वालियर रेफर किया

■ गोहद

गोहद थाना क्षेत्र के ग्राम पटकुइया का पुरा में अपने घर के आंगन में सो रहे पति-पत्नी पर जंगली जानवर ने हमला कर दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दंपति को 108 एम्बुलेंस से गोहद अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयारोग्य अस्पताल ग्वालियर रेफर कर दिया गया।

108 एंबुलेंस के पायलेट मुरारीलाल गोस्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार-मंगलवार की रात करीब दो बजे उन्हें सूचना मिली कि ग्राम

पटकुइया का पुरा निवासी रामदेवी पत्नी जयसिंह उम्र 57 साल और जयसिंह पुत्र दुआराम उम्र 60 साल अपने घर के आंगन में सो रहे थे। इसी दौरान अचानक छत से कोई जंगली जानवर आंगन में आ गया और उसने रामदेवी पर हमला कर दिया। रामदेवी की चीख-पुकार सुनकर उनके पति उसे बचाने आए तो जंगली जानवर ने उन पर भी हमला कर दिया। जंगली जानवर के हमले से रामदेवी के दोनों पैर एवं हाथ घाव हो गए। इसी बीच जानवर ने घर में सोए हुए एक बालक पर भी हमला करने की कोशिश की। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय निवासियों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। वाहन आने के बाद उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोहद पहुंचाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को ग्वालियर रेफर कर दिया गया।

जनसुनवाई में शिकायत न सुने जाने से था परेशान

80 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

■ शिवपुरी

शहर के फतेहपुर स्थित 28 नंबर कोठी के पास मंगलवार को एक युवक लगभग 80 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गया। युवक ने अपने ऊपर पेट्रोल डालने का प्रयास भी किया। हालांकि नगर पालिका और पुलिस अमले ने उसे समझा-बुझाकर सुरक्षित नीचे उतार लिया।

यह घटना फतेहपुर क्षेत्र की है। टंकी पर चढ़ने वाले युवक की पहचान सिरसौद थाना क्षेत्र के विलूपुरा निवासी पप्पू शिवहरे के रूप में हुई। पप्पू शिवहरे शिवपुरी की 26 नंबर कोठी के पास किराए से रहकर पल्लेदारी का काम करता है। उसने बताया कि वह अपनी पैतृक भूमि के सीमांकन को लेकर परेशान

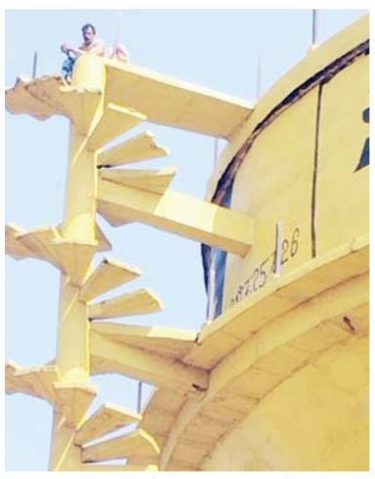

था। पप्पू शिवहरे के अनुसार उसकी गांव की भूमि का सीमांकन सही ढंग से नहीं किया गया है। इस संबंध में उसने पटवारी और नायब तहसीलदार से कई बार गुहार लगाई, परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। मंगलवार को वह अपनी शिकायत लेकर जनसुनवाई में भी पहुँचा था, जहाँ उसकी सुनवाई नहीं हुई। इसी से हताश होकर वह पेट्रोल की बोतल लेकर टंकी पर चढ़ गया था।

पटवारी नहीं उठाता फोन

पप्पू शिवहरे ने अपने आवेदन में उल्लेख किया था कि उसकी भूमि सर्वे नंबर 165 एवं 166 का सीमांकन स्पष्ट नहीं है, जिसके कारण विवाद होते रहते हैं। उसने यह भी आरोप लगाया कि कई बार आवेदन देने के बावजूद सीमांकन नहीं हुआ और पटवारी उसका फोन तक नहीं उठाता, बल्कि उसका नंबर ब्लैकलिस्ट में डाल दिया गया है। मौके पर पहुँची पुलिस और नगर पालिका कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को नीचे उतारा। पुलिस ने पप्पू शिवहरे को समझाइश देकर थाने ले जाकर पूछताछ शुरू की है। गौरतलब है कि पिछले सात दिनों में यह दूसरी घटना है जब कोई युवक इसी टंकी पर चढ़ा है। इससे पहले अभिषेक रावत नामक युवक रील और सेल्फी बनाने के लिए टंकी पर चढ़ा था।

मकान बेचने के नाम पर दो लाख की धोखाधड़ी

■ मां-बेटे और दो बिचौलियों पर मामला दर्ज

■ शिवपुरी

नगर में मकान बेचने के नाम पर दो लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। धार जिले के सरदारपुर में तैनात विकासखंड समन्वयक नरेंद्र गुप्ता के साथ यह ठगी हुई। कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर मां-बेटे सहित चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित नरेंद्र गुप्ता ने पुलिस को बताया कि नमो नगर निवासी लक्ष्मी भार्गव और उनके बेटे विश्वनाथ भार्गव ने दो दलालों-धन्नालाल सेन और चंद्रकिशोर कुशवाह-के साथ मिलकर उन्हें मकान बेचा। आरोपी पक्ष ने मकान को विवाद रहित बताया था। सौदे की कीमत 28 लाख रुपये तय की गई थी।

नरेंद्र गुप्ता ने 24 सितंबर 2025 को मकान खरीदने के लिए विक्रेता के बेटे के खाते में 2 लाख रुपये एडवांस तथा 10 हजार रुपये दलाली के रूप में दिए। रजिस्ट्री की तारीख 20 अक्टूबर 2025 तय हुई थी।

संपत्ति की जांच के दौरान रजिस्ट्रार कार्यालय में पता चला कि मकान पर पहले से ही (आरसीएसए 44/2020) अदालत में केस चल रहा है और बिक्री पर रोक लगी है, जिसकी जानकारी आरोपियों ने छुपाई थी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने अनुबंध की प्रति, बैंक ट्रांजेक्शन और दलाली की रसीदें भी जमा कर दी हैं।

सम्पादकीय

लद्दाख राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति का विषय

विज्ञान, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में नवाचार के लिए दुनिया में सम्मानित सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एन.एस.ए.) में गिरफ्तारी पर तो सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई करेगा ही, लेकिन प्राकृतिक सौंदर्य के लिए चर्चित और रणनीतिक रूप से संवेदनशील लद्दाख की अशांति गंभीर चिंता का विषय है। वांगचुक अपने ही देश में नायक से खलनायक बन गए हैं। 2009 की लोकप्रिय फिल्म ह्यथ्री ईडियट्सह्न उन्हीं से प्रेरित थी। लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर 5 साल से जारी आंदोलन में 24 सितंबर को भड़की हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए 2 दिन बाद गिरफ्तार कर वांगचुक को जोधपुर जेल भेज दिया गया। एक के बाद एक हमारे सीमावर्ती क्षेत्र अशांति के शिकार हो रहे हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है। असंतोष देर-सवेर अलगाव की भावना का कारण बनता है या निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा बना दिया जाता है। 1947 में विभाजन के साथ मिली आजादी के बाद पाकिस्तानी कबाइलियों ने घुसपैठ की साजिश लद्दाख की ओर से ही रची थी। भारतीय सेना ने पाक घुसपैठियों को खदेड़ कर द्रास, कारगिल और लद्दाख को मुक्त कराया था। चीन ने भी 1949 में नुब्रा घाटी और शिनजियांग के पुराने व्यापारिक मार्ग को बंद कर 1955 में शिनजियांग और तिब्बत को जोडने के लिए सड़क निर्माण शुरू किया। बाद में चीन ने पाकिस्तान के लिए कराकोरम हाईवे भी बनाया। जलवायु संरक्षण के लिए अपरिहार्य लेह-लद्दाख भारत की सुरक्षा के लिए भी संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। टैरिफ वॉर पर अमरीका से तनातनी के बीच चीन से फिर पींगें बढ़ाने की कूटनीति में उसके विश्वासघाती चरित्र को भुला देना आत्मघाती हो सकता है। ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के दौरान भी चीन पूरी तरह पाकिस्तान के साथ यानी भारत के विरुद्ध खड़ा था। पर्यटन पर निर्भर आजीविका वाले लद्दाखी मेहमाननवाजी से ले कर राष्ट्रभक्ति तक तमाम सकारात्मक चीजों के लिए जाने जाते हैं। वे पर्यावरण के संरक्षण के लिए समघ्पत और निरंतर प्रयासरत भी हैं। हाल के दशकों में लद्दाख में विज्ञान, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में तमाम नवाचार के नायक सोनम वांगचुक रहे हैं। उन्होंने सेना के लिए माइनस डिग्री तापमान में आराम से रहने-सोने के लिए विशेष टैंट बनाए, तो जल संरक्षण के लिए कृत्रिम ग्लेशियर का प्रयोग भी किया। इधर विदेशी पुरस्कारों-सम्मानों को भारत विरोधी साजिशों से जोड़ कर देखने-दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ी है लेकिन अगर खुलासे किसी आंदोलन-अनशन के बाद किए जाएं तो उनकी विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगते हैं। 2019 में जब नरेंद्र मोदी सरकार ने विशेष दर्जा देने वाली धारा-370 हटाते हुए जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित क्षेत्रों- जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में विभाजित किया, तब वहां से समर्थन में उठने वाली (भाजपा के अलावा) सबसे मुखर आवाज सोनम वांगचुक की ही थी। शायद इसलिए भी कि जम्मू-कश्मीर की सत्ता-राजनीति में लद्दाख की आवाज अक्सर अनसुनी ही रही। संविधान के अनुच्छेद 244 (2) के तहत छठी अनुसूची में जनजातीय क्षेत्रों के लिए स्वायत्त जिलों और स्वायत्त क्षेत्रों के रूप में विशेष प्रशासनिक ढांचे का प्रावधान है। इस ढांचे को सामाजिक रीति-रिवाज, उत्तराधिकार के अलावा भूमि और जंगल संरक्षण के लिए कानून बनाने का अधिकार है। पांच साल से लेह एपैक्स बॉडी और कारगिल डैमोक्रेटिक एलायंस के बैनर तले शांतिपूर्ण आंदोलन की मुख्य मांग विधानसभा के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी सूची में शामिल करने की ही है। लेह से दिल्ली तक 1000 किलोमीटर का पैदल मार्च तथा 5 बार अनशन बताता है कि आंदोलन मूलतरू गांधीवादी और शांतिपूर्ण चरित्र का ही रहा। फिर अचानक हिंसा किसने भड़काई? इस सवाल के जवाब के लिए राजनीति से ले कर राष्ट्रीय सुरक्षा तक, हर कोण से विश्वसनीय जांच की जरूरत है। हिंसा की न्यायिक जांच उस दिशा में पहला कदम हो सकती है। बेशक विपक्ष को लद्दाख में प्रतिनिधिमंडल भेजने का अधिकार है, पर ऐसे संवेदशनशील मामले राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति के विषय होने चाहिएं। जम्मू-कश्मीर का अंग रहते धारा-370 के तहत लद्दाख में भी बाहरी लोगों के जमीन खरीदने और सरकारी नौकरी करने पर प्रतिबंध था। लद्दाखियों का आरोप है कि 2019 के बाद बाहरी लोगों द्वारा जमीन की खरीद-फरोख्त का खेल शुरू हो गया है और पर्यावरणीय संवेदनशीलता को ताक पर रख विकास की वैसी ही परियोजनाएं बनाई जा रही हैं, जो उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सरीखे पर्वतीय राज्यों में विनाशकारी परिणाम दे रही हैं। लद्दाख की भौगोलिक, रणनीतिक और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का तकाजा है कि निवासियों को विश्वास में लेकर उनकी जायज डूषचताओं का स्वीकार्य समाधान निकाला जाए।

तालिबान संग भारत का नया अध्याय, बदल रहा दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक समीकरण

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है। तालिबान शासन आने के बाद भी जब वहां पर विनाशकारी भूकंप आया तब भारत अफगान नागरिकों के साथ खड़ा रहा। अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कोई स्थाई मित्र या शत्रु नहीं होता, सभी राष्ट्र समय और परिस्थितियों के अनुसार पारस्परिक व्यवहार करते हैं। इस समय भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है। तालिबान की पहचान आतंकी संगठन की है किन्तु अफगानिस्तान की तालिबान सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए वैश्विक जगत से संवाद स्थापित कर रही है। अभी तक तालिबान सरकार को केवल रूस ने ही मान्यता दी है। इस बीच अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी सात दिन की भारत यात्रा पर आए हैं यद्यपि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है और वह काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। भारत में मुत्ताकी के अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं। वह उप्र में मुसलमानों की संस्था दारुल उलूम देवबंद गए हैं, उनकी दो पत्रकार वार्ताएं भी हो चुकी हैं जिसमें पहली पत्रकार वार्ता में महिला पत्रकारो को प्रवेश ण मिलने के कारण विवादों आ गई जिससे अफगानी विदेश मंत्री को दूसरी पत्रकार बुलानी पड़ी जिसमें महिला पत्रकार भी आमंत्रित थीं। अफगान विदेश मंत्री की इस यात्रा से भारत ने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान के विरुद्ध अपना एक नया समर्थक बनाया है। मुत्ताकी की भारत यात्रा से भारत ने एक कूटनीतिक बढ़त यह प्राप्त कर ली है संयुक्त बयान में अफगानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू -कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत की जनता व सरकार के प्रति संवेदना व एकजुटता व्यक्त की है। भारत और अफगानिस्तान के बयान के अनुसार दोनो पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यो की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया गया है। अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया फिर अफगानिस्तान ने करते हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात के बाद बयान जारी किया गया कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सदियों पुराने हैं तथा इन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा। भारत ने काबुल स्थित दूतावास फिर से खोलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह वही तालिबान सरकार है जिस पर कभी कोई भरोसा नहीं कर रहा था। जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अपनी सेनाओं को वापस बुलाने और अफगानिस्तान की सत्ता तालिबान को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया था उस समय दक्षिण एशिया में भय, आतंक, चिंता व निराशा का वातावरण उत्पन्न हो गया था कि अब क्या होगा ? अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी पर चीन और पाकिस्तान बहुत खुश थे। इन दोनों देशों को लगा कि अब अफगान सरकार उनके कहने पर चलेगी। पाकिस्तान ने सोचा कि वह तालिबान की मदद से जम्मू-कश्मीर को हथियाकर वहां शरिया कानून लागू करवा देंगे किंतु समय बदलने के साथ ही पाकिस्तान का यह प्लान पूरी तरह से धराशायी गया है। आज भारत के तालिबान से सम्बन्ध बेहतर हो गए हैं क्योंकि भारत केवल राष्ट्र प्रथम को ध्यान में रख कर चल रहा। सामारिक, आर्थिक, राजनैतिक व मानवीय दृष्टिकोण से भारत का अफगानिस्तान के साथ रिश्ते सुधारना राष्ट्रहित में है। वहां से हिंदू व सिख समाज के लोग अपना कारोबार संपत्ति जायदाद आदि छोड़ के आए हैं। अफगानी विदेश मंत्री मुत्ताकी से भारत ने यह कहलवा लिया है कि अब कोई भी ताकत अफगान की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ नही कर सकेगी। इसका स्पष्ट इंगित पाक परस्त खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर था। तालिबान विदेश मंत्री मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए काफी समय से होमवर्क किया जा रहा था। जनवरी में ही तालिबान शासन और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी थी जिसके बाद मुत्ताकी ने भारत को एक अहम क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था। यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है। तालिबान शासन आने के बाद भी जब वहां पर विनाशकारी भूकंप आया तब भारत अफगान नागरिकों के साथ खड़ा रहा। अफगान विदेश मंत्री और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के बाद अफगानिस्तान को 20 एम्बुलेंस देने के साथ ही वहां की आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए भारत ने सहायता की घोषणा की है। यदि भारत अफगानिस्तान में अपना दूतावास खोलता है तो वह वहां से पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर सूक्ष्म दृष्टि रख सकेगा। तालिबान शासन से मैत्री इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि इस समय भारत के सभी पड़ोसी देश अस्थिरता का शिकार हैं ऐसे में सामरिक दृष्टिकोण से एक नया मार्ग खोलना अति आवश्यक हो गया है।

भारत और अफगानिस्तान के बयान के अनुसार दोनो पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यो की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया गया है। अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया फिर अफगानिस्तान ने करते हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात के बाद बयान जारी किया गया कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सदियों पुराने हैं तथा इन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा। भारत ने काबुल स्थित दूतावास फिर से खोलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह वही तालिबान सरकार है जिस पर कभी कोई भरोसा नहीं कर रहा था। जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अपनी सेनाओं को वापस बुलाने और अफगानिस्तान की सत्ता तालिबान को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया था उस समय दक्षिण एशिया में भय, आतंक, चिंता व निराशा का वातावरण उत्पन्न हो गया था कि अब क्या होगा ? अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी पर चीन और पाकिस्तान बहुत खुश थे। इन दोनों देशों को लगा कि अब अफगान सरकार उनके कहने पर चलेगी। पाकिस्तान ने सोचा कि वह तालिबान की मदद से जम्मू-कश्मीर को हथियाकर वहां शरिया कानून लागू करवा देंगे किंतु समय बदलने के साथ ही पाकिस्तान का यह प्लान पूरी तरह से धराशायी गया है। आज भारत के तालिबान से सम्बन्ध बेहतर हो गए हैं क्योंकि भारत केवल राष्ट्र प्रथम को ध्यान में रख कर चल रहा। सामारिक, आर्थिक, राजनैतिक व मानवीय दृष्टिकोण से भारत का अफगानिस्तान के साथ रिश्ते सुधारना राष्ट्रहित में है। वहां से हिंदू व सिख समाज के लोग अपना कारोबार संपत्ति जायदाद आदि छोड़ के आए हैं। अफगानी विदेश मंत्री मुत्ताकी से भारत ने यह कहलवा लिया है कि अब कोई भी ताकत अफगान की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ नही कर सकेगी। इसका स्पष्ट इंगित पाक परस्त खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर था। तालिबान विदेश मंत्री मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए काफी समय से होमवर्क किया जा रहा था। जनवरी में ही तालिबान शासन और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी थी जिसके बाद मुत्ताकी ने भारत को एक अहम क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था। यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है।

जदयू के भविष्य पर सवाल

2005 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू सत्ता में बना हुआ है, बीच में थोड़े अंतराल के लिए नीतीश सरकार हटी, लेकिन फिर भी दो दशकों से बिहार की राजनीति जदयू और नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द ही घूम रही है। इससे पहले लालू प्रसाद लंबे वक्त बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे और वे अब भी प्रासंगिक बने हुए हैं। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने 2020 के चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें नीतीश कुमार ही पिछड़ गए थे। अगर भाजपा का साथ नहीं होता तो शायद नीतीश कु मार को सत्ता भी नहीं मिलती। तेजस्वी यादव अब भी जदयू और भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। चुनाव में चाहे राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन की हार हो या जीत हो, लालू यादव और तेजस्वी यादव हर हाल में प्रासंगिक बने रहेंगे, क्योंकि भाजपा के खिलाफ वे मजबूती से डटे हैं। जबकि नीतीश कुमार भाजपा के आगे इतना झुक चुके हैं कि अब धराशायी होने के ही आसार उनके लिए बने हैं। भाजपा का इतिहास भी इसकी गवाही देता है कि जो क्षेत्रीय दल उसके मुकाबले मजबूत होता है, उसे गठबंधन में साथ लेकर भाजपा पहले उसे कमजोर करती है, न कर पाए तो उसे भीतर से तोड़ती है, या फिर उसका विलय कर लेती है। किसी भी तरह गठबंधन के दल इतने ताकतवर न हो पाएं कि वे अपनी शर्तें भाजपा के सामने रखें, ऐसी रणनीति पार्टी की रहती है। अटल बिहारी वाजपेयी के काल की भाजपा में ऐसा नहीं था, तब क्षेत्रीय दलों का अपना रसूख और जगह बरकरार थे। अब मोदी-शाह युग की भाजपा है। जिसमें हर हाल में बड़ा भाई भाजपा को ही रहना है। बिहार में पिछले 20 सालों से भाजपा बड़ा भाई बनने का मौका देख रही थी। अब जबकि नीतीश कुमार शारीरिक तौर पर कमजोर हो चुके हैं, जदयू में शरद यादव के कद का कोई दूसरा नेता नहीं है, जो नीतीश कुमार को सही सलाह दे सके, नीतीश के बेटे निशांत कुमार सक्रिय राजनीति में नहीं हैं और राज्य में भाजपा का प्रभाव वाला प्रशासन चल रहा है, ऐसे में नीतीश कुमार को राजनैतिक तौर पर कमजोर करने का मौका भाजपा के हाथ लगा। इस बार सीट बंटवारे में जदयू और भाजपा दोनों ही 101-101 सीट पर चुनाव लड़ेंगी। जबकि चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) 29 सीटों पर, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। पिछले चुनाव में जदयू ने 115 सीटों और भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था। कम सीटों पर नीतीश कुमार का मान जाना खुद जदयू के नेताओं के लिए झटका है, उनके लिए बड़े भाई या छोटे भाई बनने से बड़ा सवाल ये है कि अब जदयू बचेगा या नहीं? सीट शेयरिंग में भाजपा के अलावा केवल चिराग पासवान ही जीते हुए नजर आ रहे हैं, जिन्होंने 30 सीटें मांगी थी और 29 मिल गई हैं। दरअसल चिराग पासवान इस बार बिहार में कई महीनों से तल्ख तेवर अपनाए हुए थे। नीतीश सरकार के कामकाज और राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था का सवाल वो उठाते रहे और बीच-बीच में आम सभाएं कर अपनी ताकत मोदी को दिखाते रहे। मोदी को भी अभी ऐसे युवा नेताओं की दरकार है, जो राहुल या तेजस्वी के सामने खड़े हो सकें। चिराग ने पिछले चुनाव में अकेले 135 सीट पर चुनाव लड़ा था और सिर्फ एक सीट पर जीत दर्ज की थी, वो विधायक भी बाद में जदयू में शामिल हो गए। इस तरह चिराग के पास सीटें एक भी नहीं हैं, लेकिन लोकसभा में उनके पांच सांसद हैं और अभी उन्हें अपने चाचा को कमजोर करते हुए लोजपा के दूसरे गुट को खत्म करके एकछत्र राज भी करना है। इसलिए उन्हें भाजपा की जरूरत है और भाजपा को उनकी। हालांकि चिराग पासवान को अन्य घटक दलों के हालात देखकर इतना सावधान रहना चाहिए कि कल को उनका हश्र भी शिवसेना, अकाली दल जैसा न हो जाए वैसे जीतन राम मांझी की श्हमश को भी बीते विधानसभा चुनाव से एक सीट कम मिली, पिछली बार सात सीटों पर मांझी ने उम्मीदवार खड़े किए थे, इस बार वो छह सीटों पर लड़ेंगे। इस बात से वो नाखुश हैं, लेकिन शायद भाजपा के सामने इन्होंने भी हथियार डाल दिए हैं। आरएलएम के उपेन्द्र कुशवाहा का भी यही हाल है। लेकिन इन सबकी स्थिति सत्ता में मामूली भागीदारी की ही रही है, जबकि नीतीश कुमार की स्थिति सत्ता पर काबिज होने वाली थी, जो अब शायद न रहे। एनडीए अगर जीतेगा तब भी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन पाएंगे, इसकी संभावनाएं कम हैं। इसी साल फरवरी में मंत्रिमंडल विस्तार में जदयू के एक भी नेता को जगह नहीं मिली, सारे नेता भाजपा के ही थे। उस वक्ष्त खुद को तसल्ली और मीडिया के सवालों को शांत करने के लिए जदयू के प्रवक्ता बार-बार दोहराते थे कि पार्टी विधानसभा चुनावों में भाजपा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, चाहे एक ही सीट ज्यादा क्यों न हो। लेकिन अभी तो बराबरी का झुनझुना जदयू को पकड़ाया गया है। वैसे जदयू के बड़े भाई का ओहदा 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान ही चला गया था, तब जदयू 16 सीटों पर लड़ी थी, और भाजपा 17 सीटों पर। जबकि 2019 में जदयू और भाजपा दोनों ही 17-17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। और 2009 में जदयू बिहार में लोकसभा की कुल 40 सीट में से 25 सीट लड़ी थी और भाजपा ने 15 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन वह जदयू की मजबूती का दौर था। और अब भाजपा से हाथ मिलाकर जदयू ने अपनी सारी शक्ति उसे सौंप दी है।

इस्त्राइल-हमास युद्धविराम : आशा की किरण या अस्थायी विराम?

गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्त्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्त्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित

करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्त्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा। गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्त्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्त्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्त्राइल-हमास युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक ह्यआशा की किरण बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं।

बीमार भविष्य की नींव

यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दशार्ता है कि एक लाख से अधिक स्कूलों की पढ़ाई सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रही है। एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। शिक्षा मंत्रालय के हालिया आंकड़े बताते हैं कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में एक लाख चार हजार स्कूल ऐसे थे, जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। इन स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाता। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेल, पीटी और योग जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं

होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं। सही मायनों में स्कूलों का शिक्षकों की कमी से जूझना शिक्षा विभाग की नाकामी को ही दशार्ता है। यह हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है। कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। निकलती है तो पेपर आउट होने की खबरें आती हैं। सालों-साल उनके परिणाम नहीं निकलते। यदि परिणाम निकले भी तो फिर धांधली के आरोप लगने लग जाते हैं। फिर मामला वर्षों तक अदालतों में डोलता रहता है। विडंबना यह भी है कि आज सरकारी स्कूलों में गरीब व कमजोर वर्गों के बच्चे ज्यादा भर्ती होते हैं, इसलिए इन स्कूलों की तरफ कोई ध्यान नहीं देता। यदि सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों के बच्चों के लिये इन स्कूलों में पढ़ना अनिवार्य कर दिया जाए तो स्थिति बदल जाएगी।

मनोरंजन

आईसीसी रैंकिंग में कुलदीप यादव ने बिखेरा जलवा, करियर का सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुलदीप ने बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई जबकि वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमशः दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए। भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में दूसरे मैच में आठ विकेट हासिल करने के शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग हासिल की। कुलदीप ने बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई जबकि वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमशः दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए। जायसवाल ने लगाई छलांग बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर पांचवें, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रन की पारियों से दो स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए।

आलिया भट्ट ने परिणीति चोपड़ा को दिया मॉम गिफ्ट

वायरल हो रही शुक्रिया मम्मा! वाली प्यारी पोस्ट

बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपने प्रेग्नेंसी के खूबसूरत फेज का आनंद ले रही हैं। सोशल मीडिया पर वह अक्सर अपनी जिंदगी के खास पलों की झलकियां साझा करती नजर आती हैं। वहीं उनकी करीबी दोस्त और अभिनेत्री आलिया भट्ट ने परिणीति के लिए एक खास तोहफा भेजा है, जिसे देखकर फैंस भी बेहद खुश हुए हैं। परिणीति ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर यह बताया कि आलिया ने अपने ब्रांड म्क-ंडउउं से एक खास मैटरनिटी हैम्पर उन्हें भेजा है। यह ब्रांड खासतौर पर माताओं और बच्चों की देखभाल से जुड़ी जरूरतों पर केंद्रित है। परिणीति ने आलिया के इस प्यार भरे तोहफे के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा, शुक्रिया, मम्मा! यह खूबसूरत पल सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है और फैंस भी आलिया के इस कदम की जमकर सराहना कर रहे हैं। आलिया भट्ट और परिणीति चोपड़ा के बीच गहरी दोस्ती है, जो उनके करियर के शुरूआती दौर से चली आ रही है। दोनों ने लगभग एक ही समय पर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था और तब से उनकी दोस्ती मजबूत होती गई। अब जब परिणीति मां बनने वाली हैं और आलिया पहले से ही अपनी बेटी राहा की मां हैं, तो यह तोहफा उनकी दोस्ती और ममता को दशार्ता है। इस साल अगस्त में परिणीति और उनके पति राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की खबर साझा की थी। उन्होंने एक के क की तस्वीर शेयर की थी जिसपर लिखा था, 1.1=3 इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया था जिसमें परिणीति अपने पति का हाथ थामे पार्क में टहलती नजर आ रही थीं। इस पोस्ट ने फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स के बीच खुशी की लहर दौड़ा दी थी।

रणवीर सिंह के अगले बड़े प्रोजेक्ट से सामने आया शानदार लुक

रणवीर सिंह ने अभी-अभी अपनी अब तक की सबसे जबरदस्त लुक से पर्दा उठा दिया है। यह एक ऐसी झलक है जो ताकत, मकसद और जोश से रूबरू करते हुए उसका एहसास दिला रही है। इस जबरदस्त लुक में वह पूरा फाइट गियर पहने, आंखें सीधी और पक्की रखे हुए, वह हर तरह से उस काम पर जाने वाले शख्स लग रहे हैं, जो जंग के लिए पूरी तरह से फोकस्ड, निडर और तैयार है। यहाँ रणवीर में असलीपन दिख रहा है, कोई दिखावा नहीं, कोई नाटक नहीं, बस जोश और भरोसा। यही वह

रणवीर हैं जिन्हें दर्शक देखने के लिए इंतजार कर रहे थे, पूरी तरफ से बेबाक, आजाद और पूरी तरह अपने आप पर मजबूत। यह सिर्फ एक नया लुक नहीं है, बल्कि कुछ बड़ा शुरू होने जैसा लग रहा है। एक दुनिया जो धीरे-धीरे आकार ले रही है, जिसमें पहले ही बॉबी देओल और श्रीलीला शामिल हैं, और दर्शकों के लिए नए कनेक्शंस और घटनाओं की ओर इशारा कर रहे हैं, जिन्हें वे अब समझना शुरू कर रहे हैं। हिम्मत, तनाव, माहौल! सब कुछ एक बड़ी और महत्वाकांक्षी दुनिया की ओर इशारा करता है। कुछ बड़ा आने वाला है, और यह पहला लुक बस उसकी चिंगारी है। ऐसे ने अब बस एक सवाल बचता है और वो यह हुआ कि यह इंटरनेट पर कितने समय में धूम मचाने वाला है?

दोस्त के लिए सलमान खान ने किया रैंप वॉक, ऐश्वर्या की सास के आगे इतराकर चले भाईजान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान, मशहूर डिजाइनर विक्रम फडनीस के लिए शोस्टॉपर बने। विक्रम फडनीस ने मुंबई में अपने नए कलेक्शन अनंता के भव्य प्रदर्शन के साथ फैशन और सिनेमा में 35 साल पूरे होने का जश्न मनाया। सुपरस्टार काले रंग की कढ़ाई वाली शेरवानी में काफी हैंडसम लग रहे थे। इस रैंप वॉक की खास बात यह थी कि सलमान के ठीक सामने उनकी एक्स गर्लफ्रेंड ऐश्वर्या की सास और ननद बैठी थी। खान ने अपनी सहज शैली और प्रभावशाली उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध

कर दिया। कढ़ाई वाली काली शेरवानी पहने, उन्होंने क्लास और करिश्मा दोनों को दशार्या। सलमान अपने खास अंदाज में रैंप पर छाए रहे और आत्मविश्वास से लबरेज दिखे, और दर्शक उनके लिए हूटिंग करने से खुद को नहीं रोक पाए। जबसलमान रैंप पर वॉक कर रहे थे तो सामने ऑडियंस में जया बच्चन और श्वेता बच्चन बैठी थीं। फडनीस के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए, सलमान ने एक बयान में कहा-मैं विक्रम को सालों से जानता हूं, वह मेरी कई फिल्मों और ढेर सारी यादों का हिस्सा रहे हैं। उन्हें 35 साल पूरे करते देखना और इस जश्न का हिस्सा बनना वाकई खास है ष विक्रम ने अपने इस खास शो के लिए श्दबंगश् स्टार के साथ सहयोग के बारे में भी बात की और कहा- ये 35 साल सिर्फ फैशन के बारे में नहीं हैं, बल्कि उन लोगों और उस सफर के बारे में हैं जिन्होंने मुझे आकार दिया। आज रात सलमान का रैंप पर चलना इसे और भी खास बना गया। वह शुरू से ही फिल्मों, फैशन और दोस्ती के जरिए मेरी कहानी का हिस्सा रहे हैं। अनंत, जिसका मतलब है अंतहीन, हर अध्याय, हर सहयोग और कभी न खत्म होने वाली रचनात्मकता की भावना का सम्मान करने का मेरा तरीका है। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले सेलेब्स में रितेश देशमुख, जेनेलिया देशमुख, सुष्मिता सेन बिपाशा बशु, दिव्या दत्ता, करिश्मा तन्ना, रोनित रॉय, शालिनी पासी, तापसी पन्नू, अतुल अग्निगोत्री, अलवीरा अग्निहोत्रा, अलिजेह अग्निहोत्री, ईशा देओल, सुनील शेट्टी, सोनाक्षी सिन्हा, जहीर इकबाल, नुसरत भरूचा, मलायका अरोड़ा, चंकी पांडे, कबीर खान, सिकंदर खेर, सुजैन शामिल हुई।

ऋतिक रोशन की शिकायत पर दिल्ली हाईकोर्ट का बयान, अपमानजनक कंटेंट पर लगेगी रोक

हाल ही में अपने पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर ऐश्वर्या-अभिषेक के अलावा कुमार सानू तक ने हाईकोर्ट का रुख किया था। अब अभिनेता ऋतिक रोशन ने भी शिकायत की है। कोर्ट ने इस पर क्या है, चलिए जानते हैं। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अभिनेता ने खुद के नाम और छवि का गलत उपयोग किए जाने के मामले में एक मुकदमा दायर किया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले पर क्या कहा है, चलिए जानते हैं। अदालत ने शिकायत पर क्या कहा? दिल्ली

हाई कोर्ट ने संकेत दिया है कि वह अभिनेता ऋतिक रोशन के व्यक्तित्व अधिकारों के व्यावसायिक लाभ के लिए दुरुपयोग पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश पारित करेगी। इसमें एआई (अक) के उपयोग और भ्रामक या अपमानजनक सामग्री तैयार करने पर भी रोक शामिल होगी। हालांकि, कोर्ट ने यह भी साफ किया कि फैन पेजों या प्रोफाइल्स के संबंध में फिलहाल किसी भी प्रकार का निर्देश जारी नहीं किया जा रहा है। इसके बजाय अदालत ने आदेश दिया कि ऐसे पेजों की बेसिक सब्सक्राइबर इंफॉर्मेशन (इरक) अभिनेता को उपलब्ध कराई जाए ताकि संभावित दुरुपयोग की पहचान की जा सके। अभिनेता ने क्या शिकायत दर्ज की थी? ऋतिक रोशन ने अपने नाम, पहचान, आवाज और व्यक्तित्व को गलत तरीके से उपयोग करने पर सुरक्षा की मांग की है। साथ ही उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में दायर किए गए मुकदमे में बताया कि व्यावसायिक तौर पर उनके नाम का दुरुपयोग किया जा रहा है। अभिनेता ने इस तरह के दुरुपयोग को रोकने और अपनी पहचान को ऑनलाइन या विज्ञापनों के माध्यम से शोषण से बचाने के लिए इन्हें रोकने की मांग की है। कब होगी इस मामले की सुनवाई? आपको बताते चलें कि इस मामले की सुनवाई बुधवार को न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम अरोड़ा करेंगे ायाचिका में कई ज्ञात और अज्ञात पक्षों के नाम हैं, जिन्होंने कथित तौर पर अभिनेता के व्यक्तित्व लक्षणों का बिना अनुमति के व्यावसायिक लाभ के लिए उपयोग किया। इन कलाकारों ने भी की थी सुरक्षा की मांग पिछले महीने, दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के पक्ष में इसी तरह के सुरक्षा आदेश पारित किए, जिसमें उनके नाम, चित्र और आवाज के अनधिकृत ऑनलाइन उपयोग पर रोक लगाई गई थी।

नहीं रहे महाभारत में कर्ण का रोल निभाने वाले पंकज धीर, कैंसर से हारे जंग

टीवी इंडस्ट्री से दुखद खबर सामने आई है। जाने-माने एक्टर पंकज धीर का 15 अक्टूबर, 2025 को निधन हो गया। उन्होंने बीआर चोपड़ा की मशहूर सीरियल महाभारत में कर्ण का किरदार निभाया था, जो आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह रखता है। उनके करीबी दोस्त अमित बहल ने उनकी मौत की पुष्टि की सूत्रों के मुताबिक, पंकज को पहले कैंसर था, जिसे उन्होंने कुछ समय पहले हरा दिया था। लेकिन बीते कुछ महीनों में उनकी बीमारी फिर लौट आई थी। उनका स्वास्थ्य काफी नाजुक था और बिमारी के चलते उन्हें एक बड़ी सर्जरी से भी गुजरना पड़ा था। लेकिन, लाख कोशिशों के बावजूद पंकज को नहीं बचाया जा सका। सोशल मीडिया पर उनके निधन की खबर आते ही टीवी इंडस्ट्री और फैंस गमगीन हो गए। पंकज को फैंस और सेलेब्स भावनात्मक हृदय में श्रद्धांजलि दे रहे हैं। सीआईएटीटीए ने भी मंगलवार को बयान जारी कर पंकज धीर के निधन पर गहरा दुख जताया। उनका अंतिम संस्कार मुंबई के विले पर्ले में शाम 4.30 बजे किया जाएगा। पंकज सीआईएटीटीए के पूर्व जनरल सेक्रेटरी भी रहे। पंकज धीर ने टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। उन्हें असली पहचान 1988 में आई बीआर चोपड़ा की महाभारत से मिली। इस शो में उन्होंने कर्ण का रोल निभाया, जिसे उन्होंने बड़ी संजीदगी और निखर के साथ प्रस्तुत किया। एक इंटरव्यू में पंकज ने बताया था कि शुरूआत में उन्होंने अर्जुन का रोल पाने के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन मेकर्स की वजह से कर्ण का रोल उन्हें मिला। इसके अलावा पंकज ने चंद्रकांता, द ग्रेट मराठा जैसे कई माइथोलॉजिकल शो में काम किया। फिल्मों में उन्होंने सोल्जर, बादशाह, सड़क जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया। पंकज अपने पीछे पत्नी अनीता धीर और बेटे निकितन धीर को छोड़ गए हैं। निकितन भी शोबिज में एक्टिव हैं और कई माइथोलॉजिकल शो कर चुके हैं। उन्होंने श्रीमद् रामायण में रावण का रोल निभाकर वाहवाही बटोरी। पत्नी अनीता धीर भी एक्ट्रेस हैं और शादी के बाद कम ही स्क्रीन पर दिखाई देती हैं।

नहीं रहीं बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुमती, कभी होती थी हेलेन से तुलना; 19 साल की उम्र में की थी शादी

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मधुमती अब हमारे बीच नहीं रहीं। उन्होंने बुधवार सुबह दुनिया को अलविदा कह दिया है। हिंदी सिनेमा के सुनहरे दौर की मशहूर अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर मधुमती अब इस दुनिया में नहीं रहीं। बुधवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। इस दुखद खबर की जानकारी अभिनेता विंदू दारा सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए दी, जिसके बाद पूरे फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। विंदू दारा सिंह ने दी जानकारी विंदू दारा सिंह ने अपने पोस्ट में मधुमती को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि वह केवल एक शिक्षिका नहीं, बल्कि सैकड़ों कलाकारों के लिए एक प्रेरणा थीं। उन्होंने लिखा, 'वह हमारी टीचर, गाइड और दोस्त थीं। सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि अक्षय कुमार, तब्बू और हजारों छात्रों के लिए जिन्होंने उनसे डांस सीखा।' उन्होंने आगे बताया कि सुबह उठने के बाद एक गिलास पानी पीने के बाद ही मधुमती हमेशा के लिए शांत हो गईं। नृत्य ही था जीवन की धड़कन मधुमती का जीवन नृत्य के बिना अधूरा था। कहा जाता है कि उनके लिए नृत्य उतना ही जरूरी था, जितना सांस लेना। उनका जन्म 30 मई 1944 को मुंबई के एक पारसी परिवार में हुआ था। उनके पिता पेशे से जज थे, लेकिन मधुमती का रुझान शुरू से ही नृत्य और अभिनय की ओर था। बचपन से ही उन्होंने भरतनाट्यम, कथक, मणिपुरी और कथकली जैसी भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों में महारत हासिल की थी। पढ़ाई से ज्यादा उन्हें संगीत और नृत्य में दिलचस्पी थी। आगे चलकर उन्होंने न सिर्फ फिल्मों में नृत्य किया बल्कि कई पीढ़ियों को डांस सिखाया भी। उनके कई शिष्यों ने भारतीय सिनेमा में नाम कमाया, जो आज भी उन्हें अपने गुरु के रूप में याद करते हैं। हेलेन से होती थी तुलना मधुमती का करियर उस दौर में शुरू हुआ जब बॉलीवुड में हेलेन अपने डांस नंबरों के लिए प्रसिद्ध थीं। दोनों का लुक और डांस स्टाइल काफी मिलता-जुलता था, जिसकी वजह से अक्सर लोगों में उनकी तुलना की जाती थी। मधुमती ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'हम दोनों अच्छे दोस्त थे। हेलेन जी मुझसे सीनियर थीं। लोग अक्सर हमें एक जैसा समझते थे, लेकिन हमें इससे कभी फर्क नहीं पड़ा।' दोनों ने भारतीय सिनेमा में डांस को नए स्तर तक पहुंचाया। जहां हेलेन कैबरे डांस की पहचान बनीं, वहीं मधुमती ने पारंपरिक और फिल्मी डांस दोनों को एक नई गरिमा दी। 19 साल की उम्र में की थी शादी मधुमती की निजी जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी।

'हर विकेट पांच विकेट जैसा लगा', मोहम्मद सिराज ने बताया वेस्टइंडीज सीरीज का अनुभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिराज को इस शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय ड्रेसिंग रूम में इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सिराज ने क्या कहा...आइए जानते हैं... भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर विकेट उनके लिए पांच विकेट लेने जैसा था। दिल्ली में खेले गए दूसरे टेस्ट में, जहां गेंदबाजों को कोई विशेष मदद नहीं मिल रही थी, सिराज ने तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके और भारत को सात विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज 2-0 से अपने नाम की। 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' बने सिराज सिराज को इस शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय ड्रेसिंग रूम में इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सिराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह सीरीज बहुत खास रही। अहमदाबाद की पिच पर थोड़ी मदद थी, लेकिन दिल्ली में गेंदबाजी काफी कठिन थी। इसलिए हर विकेट पांच विकेट लेने जैसा महसूस हुआ।

'हमास ने जो एक शव लौटाया, वह बंधक का नहीं था...'

इस्त्राइली सेना का दावा

तेल अवीव (एजेंसी)। इस्त्राइली सेना ने दावा किया कि हमास ने चार शव सौंपे थे, उनमें से एक शव बंधक का नहीं था। हमास ने समझौते के तहत शव और बंधक लौटाए हैं। इजराइल अब भी 28 मृत बंधकों की वापसी का इंतजार कर रहा है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा हमास शर्तें पूरी करे। वहीं हमास ने इजराइल पर समझौते का उल्लंघन का आरोप लगाया। इस्त्राइली सेना (आईडीएफ) ने बुधवार को बताया कि हमास ने जो चार शव मंगलवार को सौंपे थे, उनमें से किसी भी बंधक का नहीं है। इन शवों को अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के तहत लौटाया गया था। यह जानकारी युद्धविराम के बीच तनाव और बढ़ा सकती है। मंगलवार को हमास ने चार शव लौटाए थे। इससे पहले सोमवार को भी चार शव सौंपे गए थे और अंतिम 20 जीवित बंधकों को रिहा किया गया था। कुल मिलाकर, इस्त्राइल अब भी 28 मृत बंधकों के शवों की वापसी की प्रतीक्षा कर रहा है। इस्त्राइली सेना ने बयान में क्या कहा? आईडीएफ ने कहा, राष्ट्रीय फोरेंसिक चिकित्सा संस्थान में जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मंगलवार को लौटाया गया चौथा शव किसी बंधक का नहीं है। इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि हमास को

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड की ओर से तय किए गए समझौते की सभी शर्तें पूरी करनी होंगी, जिसमें मृत बंधकों के शवों की वापसी भी शामिल है। उन्होंने कहा, हम इसमें कोई समझौता नहीं करेंगे और जब तकअंतिम शव भी वापस नहीं आ जाता, हम प्रयास बंद नहीं करेंगे। समझौते के मुताबिक, सभी जीवित और मृत बंधकों को सोमवार तक सौंपा जाना था। अगर ऐसा न हो पाए, तो हमास को मृत बंधकों की जानकारी साझा करनी थी और शव जल्द से जल्द लौटाने की कोशिश करनी थी। पहले भी गलत शव लौटा चुका हमास यह पहली बार नहीं है, जब हमास ने गलत शव लौटाया हो। इससे पहले एक युद्धविराम के दौरान हमास ने कहा था कि उसने शिरी बिबास और उसके दो बेटों के शव सौंपे हैं। लेकिन बाद में जांच में पता चला कि उनमें से एक शव एक फलस्तीनी महिला का था। अगले दिन बिबास का सही शव लौटाया गया था। हमास ने इस्त्राइल पर लगाया समझौते के उल्लंघन का आरोप हमास के प्रवक्ता हजेम कासिम ने बुधवार को टेलीग्राम पर कहा कि उनकी तरफ से समझौते के तहत बंधकों के शव लौटाने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्त्राइल ने मंगलवार को गाजा सिटी और रफाह में गोलीबारी करके समझौते का उल्लंघन किया। सीमाओं के पास आने वाले को बनाएंगे निशानाः इस्त्राइली रक्षा मंत्री इस्त्राइली रक्षा मंत्री इस्त्राइल काट्ज ने कहा कि सेना तय समझौते के तहत सीमाओं पर तैनानी का काम कर रही है और जो भी इन सीमाओं के पास आएगा, उसे निशाना बनाया जाएगा, जैसा मंगलवार को कुछ लड़ाकों के साथ हुआ।

भारतीय मूल के अमेरिकी एश्ले तेलीस के घर मिले हजारों गोपनीय दस्तावेज; चीनी अधिकारियों से संपर्क का भी आरोप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रहे भारतीय मूल के एश्ले जे तेलीस पर गोपनीय दस्तावेज रखने और चीन के अधिकारियों से संपर्क रखने का आरोप लगा है।

फॉक्स न्यूज ने अमेरिकी न्याय विभाग के दस्तावेजों के हवाले से खबर दी है कि तेलीस के वर्जिनिया के वियना स्थित घर, गाड़ी और उनके करीबी लोगों के ठिकानों पर 11 अक्तूबर को मारे गए छापे में कई गोपनीय दस्तावेज बरामद हुए हैं। एक संघीय अदालत के आदेश पर अमेरिकी जांचकताओं ने छापे की कार्रवाई को अंजाम दिया। तेलीज कानेर्गी एंडोवमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के टाटा चेयर और वरिष्ठ फेलो हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा और एशियाई मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। फॉक्स न्यूज के अनुसार, जांचकताओं ने तेलीस के घर में चार जगहों से हजारों पन्ने के ऐसे दस्तावेज बरामद किए हैं जिनके ऊपर गोपनीय या अति गोपनीय अंकित हैं। तेलीस के घर के भूमिगत तल में बने ऑफिस के चार ड्रॉअर वाला फाइल कैबिनेट, यहीं रखे दो ड्रॉअर वाले फाइल कैबिनेट, इसी ऑफिस के एक डेस्क और भूमिगत तल के एक स्टोर रूम के तीन काले बैगों से ये दस्तावेज बरामद किए गए। इस घटना ने अमेरिकी थिंक टैंक समुदाय को चौंका दिया, क्योंकि तेलीस को अमेरिका-भारत-चीन क्षेत्र में एक विद्वान के रूप में विशेष सम्मान प्राप्त था। तेलीस ने भारत में अमेरिकी राजदूत रहे रॉबर्ट ब्लैकविल के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में भी काम किया था।

'सभी राज्यों में ग्रीन पटाखे ही फूटेंगे'

शिवकाशी के पटाखा निमार्ताओं ने बताई इसकी वजह

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु फायरवर्क्स एंड एमोर्सेज मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष जी अबीरुबेन ने बताया कि पारपंरिक पटाखे अब सिर्फ अवैध पटाखा निमार्ताओं द्वारा ही बनाए जा रहे हैं। शिवकाशी के छोटे पटाखा निमार्ता भी अब सीएसआईआर के फामूर्ले पर ही ग्रीन पटाखे बना रहे हैं। देश में पटाखे बनाने के लिए प्रसिद्ध तमिलनाडु के शिवकाशी के पटाखा निमार्ताओं का कहना है कि न सिर्फ दिल्ली एनसीआर बल्कि सभी राज्यों में ग्रीन पटाखे ही फूटेंगे। उन्होंने बताया कि शिवकाशी में पटाखे बनाने वाले अधिकतर निमार्ता अब ग्रीन पटाखे बनाना शुरू कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली और एनसीआर में दिवाली के मौके पर ग्रीन पटाखे जलाने की मंजूरी दे दी। हालांकि इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाई हैं। पटाखों से होने वाले प्रदूषण में आएगी 50 फीसदी तक की कमी शर्तों के तहत दिवाली वाले दिन और दिवाली से एक दिन पहले कुछ घंटों के लिए ही ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति होगी। हालांकि ग्रीन पटाखों की बिक्री 18 अक्तूबर से लेकर 21 अक्तूबर तक होगी। ग्रीन पटाखे काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च- नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च

इंस्टीट्यूट (उरक्रक-ठएएफक्र) द्वारा विकसित किए गए हैं। सामान्य पटाखों में कुछ विशेष एडिटिव्स मिलाकर ग्रीन पटाखे बनाए जाते हैं और इनमें सामान्य स्तर से 30-35 प्रतिशत कम उत्सर्जन होता है और भविष्य में इसमें 50 फीसदी की कमी लाई जाएगी। शिवकाशी में ही 95 प्रतिशत पटाखों का होता है निर्माण शिवकाशी स्थित श्री बालाजी फायर वर्क्स इंडस्ट्रीज के मालिक आर बालाजी ने बताया कि विशेष एडिटिव्स मिलाकर पटाखों को ग्रीन बनाने की प्रक्रिया आसान है और बीते चार वर्षों में हमारी फैक्ट्री में 100 फीसदी ग्रीन पटाखे ही बने हैं। तमिलनाडु फायरवर्क्स एंड एमोर्सेज मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष जी अबीरुबेन ने बताया कि पारपंरिक पटाखे अब सिर्फ अवैध पटाखा निमार्ताओं द्वारा ही बनाए जा रहे हैं। शिवकाशी के छोटे पटाखा निमार्ता भी अब सीएसआईआर के फामूर्ले पर ही ग्रीन पटाखे बना रहे हैं। देश के 95 प्रतिशत पटाखों का निर्माण शिवकाशी में होता है। अबीरुबेन ने बताया कि सीएसआईआर की एनईईआरआई लैब की मदद से बन रहे ग्रीन पटाखों में सिर्फ कम प्रदूषण होता है बल्कि ये इस्तेमाल में भी सुरक्षित हैं। ग्रीन पटाखों के निर्माण में 40 फीसदी लागत पटाखा निमार्ता देते हैं और बाकी की 60 फीसदी लागत केंद्र सरकार की तरफ से दी जाती है। कुछ परीक्षणों में प्रदूषण का स्तर 75-80 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिली है, लेकिन अभी इन पटाखों की सुरक्षा जांच होनी बाकी है।

बंगाल में एक और छात्रा के साथ दरिंदगी, इंजीनियरिंग कर रही युवती से दुष्कर्म; सहपाठी गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पुलिस ने बताया कि आरोपी कुछ दिनों तक छिपा रहा और जैसे ही आनंदपुर स्थित अपने घर लौटा, वैसे ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस ने अदालत में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 22 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पश्चिम बंगाल में एक और युवती के साथ दरिंदगी की घटना हुई है। कोलकाता के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ उसके सहपाठी ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपी को शहर के दक्षिणी हिस्से के आनंदपुर इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में पढ़ाई करने आई छात्रा ने आनंदपुर पुलिस स्टेशन में अपने सहपाठी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। छात्रा ने आरोप लगाया है कि उसके पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया। जिसके बाद वह बेहोश हो गई और बाद में आरोपी ने उसके साथ

दुष्कर्म किया। पुलिस ने छात्रा के गृहराज्य का नहीं किया खुलासा पुलिस ने इंजीनियरिंग छात्रा के गृह राज्य का अभी खुलासा नहीं किया है। यह घटना पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ हुई कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना के कुछ दिनों बाद ही हुई है। दुर्गापुर घटना को लेकर पहले ही ममता सरकार विपक्षियों के निशाने पर है। अब नई घटना से उसकी परेशानी और बढ़ सकती है। पुलिस ने बताया कि आरोपी कुछ दिनों तक छिपा रहा और जैसे ही आनंदपुर स्थित अपने घर लौटा, वैसे ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस ने अदालत में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 22 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। विपक्षी भाजपा कानून व्यवस्था के मुद्दे पर बंगाल की ममता सरकार को घेर रही है। बीते साल कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म की घटना को लेकर बंगाल सरकार की खूब किरकिरी हुई थी। यह मामला शांत भी नहीं हुआ था कि दुर्गापुर घटना को लेकर फिर से बंगाल सरकार निशाने पर आ गई है।

'हम डेमोक्रेट पार्टी के शुरू किए सरकारी कार्यक्रमों को बंद कर रहे', डोनाल्ड ट्रंप का शटडाउन पर बड़ा एलान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डेमोक्रेट्स कार्यक्रमों को शटडाउन के दौरान बंद करने का बड़ा एलान किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशासन की तरफ से आदेश जारी कर दिए गए हैं और बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची भी जल्दी जारी कर दी जाएगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शटडाउन के बीच डेमोक्रेट्स पार्टी के सपोर्ट से होने वाले प्रोग्राम को बंद करने का एलान किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रशासन की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं और बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची भी जल्द जारी होने की सूचना है। डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (14 अक्तूबर) को घोषणा करते हुए कहा कि प्रशासन चल रहे सरकारी शटडाउन का इस्तेमाल डेमोक्रेट समर्थित संघीय कार्यक्रमों को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची शुक्रवार को जारी की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा, शटडाउन के कारण डेमोक्रेट्स की हार हो रही है, क्योंकि हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिनका हम विरोध करते थे और अब किसी कीमत पर वापस नहीं आने दिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान में आगे कहा कि इसलिए हम वो काम कर पा रहे हैं, जो हम पहले नहीं कर पाते थे। हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिन्हें हम बंद करना चाहते थे या जिन्हें हम कभी नहीं होने देना चाहते थे, और अब हम उन्हें बंद कर रहे हैं, और हम उन्हें वापस नहीं आने देंगे। रिपब्लिकन कार्यक्रम बंद नहीं होंगे- ट्रंप बंद होने वाले कार्यक्रमों में ऐसे कई कार्यक्रम शामिल हैं।

'यह चीन बनाम पूरी दुनिया की लड़ाई', व्यापारिक तनाव के बीच अमेरिका को भारत से समर्थन की उम्मीद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। चीन द्वारा दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि वॉशिंगटन को भारत, यूरोप और एशिया के लोकतांत्रिक देशों से समर्थन मिलने की उम्मीद है। एक साक्षात्कार में बेसेंट ने कहा यह चीन बनाम दुनिया है। उन्होंने सप्लाई चेन और वैश्विक औद्योगिक ढांचे पर बंदूक तान दी है। लेकिन वे न हमें कमांड करेंगे और न कंट्रोल। अमेरिका अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा। बेसेंट ने बताया कि अमेरिका

पहले ही अपने सहयोगियों से संपर्क में है और इस हफ्ते कई देशों के साथ बैठकें होने वाली हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत, यूरोप और अन्य लोकतांत्रिक राष्ट्र इस मोर्चे पर वॉशिंगटन के साथ खड़े होंगे। चीन की नीतियों पर तीखा वार बेसेंट ने चीन पर उकसाने वाली हरकतें करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जबकि अमेरिका दुनिया में शांति की कोशिश कर रहा है, चीन युद्ध को फंड कर रहा है। उन्होंने कहा डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाली बैठक से पहले दबाव बनाने की कोशिश करना चीन की बड़ी गलती होगी। सूत्रों के अनुसार, ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात इस महीने के अंत में दक्षिण कोरिया में हो सकती है। ट्रंप ने दी प्रतिक्रिया हाल ही में ट्रंप ने चीन के खिलाफ 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। हालांकि, रविवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि चीन की अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता न करें, सब ठीक होगा। हम चीन की मदद करना चाहता है, उसे नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। ट्रंप का यह पोस्ट चीन द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा 1 नवंबर तक चीनी आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी पर आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी करने के कुछ ही घंटों बाद आया है। अमेरिका ने अभी तक चीन के उत्पादों पर 55% टैरिफ लगा रखा है और नए प्रतिबंधों से यह दर बढ़ सकती है। इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50% तक टैरिफ लगाए हैं। जिसमें रूस से तेल खरीद पर अतिरिक्त 25% शुल्क शामिल है। भारत ने इसे अनुचित और अनुचित बताया है। चीन दुनिया के लगभग 70% दुर्लभ खनिजों के खनन और 90% प्रोसेसिंग क्षमता पर नियंत्रण रखता है। इन खनिजों का इस्तेमाल रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर जैसी उन्नत तकनीकों में होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह टकराव आने वाले महीनों में वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित कर सकता है।

मैक्सिको में बाढ़ से पूरा गांव बहा, 60 से ज्यादा लोगों की मौत; दर्जनों अभी भी लापता

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। मैक्सिको के वेराक्रूज, हिडाल्गो और पुएब्ला राज्यों में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। हिडाल्गो में ही करीब एक लाख घर तबाह हुए हैं। वेराक्रूज में 29 लोगों की मौत हुई है। मैक्सिको में बाढ़

और भूस्खलन से भारी तबाही मची हुई है। बाढ़ के चलते 400 लोगों का एक पूरा गांव नक्शे से साफ हो गया है और कई इलाकों का संपर्क टूट गया है। लोग ऊंचे इलाकों पर फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित निकाला जा रहा है। सेना के हजारों जवान और नागरिक कार्यकर्ता लोगों को बचाने और सड़कों को फिर से शुरू करने के काम में जुटे हैं। मैक्सिको सरकार ने पुष्टि की है कि बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 64 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों अभी लापता हैं। एक पीड़िता ने बताया कि 'कुछ नहीं बचा, सबकुछ तबाह हो गया। पुल, मकान, सड़कें सबकुछ चला गया है।' दो तूफानों के असर से मैक्सिको में हुई तबाही की बारिश अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दूर-दराज के इलाकों में सैंकड़ों से लेकर हजारों तक लोग लापता हैं और भारी तबाही की आशंका है। मैक्सिको के पश्चिमी तट पर दो उष्णकटिबंधीय तूफानों के मिलने की वजह से मैक्सिको में भारी बारिश हुई। इससे नदियां उफान पर हैं और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता सड़कों को फिर से खोलना और हवाई ब्रिजों को सुरक्षित करना है, जिससे लोगों को राशन की आपूर्ति हो सके और उन्हें सुरक्षित बचाया जा सके। तीन राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित सरकार और सेना द्वारा लोगों को बचाने की भरसक कोशिश की जा रही है, लेकिन कई लोगों ने मिलकर खुद ही बचाव की कोशिशें शुरू कर दी हैं। कई लोगों ने अमेरिका में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मदद मांगी है, जिन्होंने किराए पर हेलीकॉप्टर लेकर लोगों को बचाया।

मृत बंधकों के शव देने में देरी कर रहा हमास; अब तक लौटाए सिर्फ आठ

इस्त्राइल ने मदद में कटौती की दी चेतावनी

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में मृत बंधकों की धीमी वापसी को लेकर इस्त्राइल ने मंगलवार को युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया और मानवीय सहायता के ट्रकों की संख्या आधी करने की घोषणा कर दी। इससे पहले, इस्त्राइल और हमास के बीच जारी युद्धविराम को लेकर उम्मीद की किरण दिखी थी। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय शाखा की प्रवक्ता ओल्गा चेरेवको ने बताया कि उन्हें इस्त्राइली सैन्य एजेंसी की ओर से इस कटौती की जानकारी दी गई है। यह

एजेंसी गाजा में मानवीय राहत भेजने का कार्य देखती है। इस्त्राइल को मिले 4 और बंधकों के अवशेष प्रधानमंत्री कार्यालय ने देर रात पुष्टि की कि रेड क्रॉस ने इजरायली सैन्य अधिकारियों को चार बंधकों के शव सौंपे हैं। इन अवशेषों को फोरेंसिक पहचान के लिए राष्ट्रीय केंद्र में भेजा गया है, जहां परिवारों को सूचना दी जाएगी। यह दूसरी बार है जब लगातार दो दिनों में मृत बंधकों के अवशेष इजरायल को सौंपे गए हैं। सोमवार को चार और शव मिले थे। हालांकि, अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि इजरायल की सैन्य एजेंसी उडऋळ 600 ट्रकों की तय सहायता आपूर्ति में आधी कटौती के फैसले पर अमल करेगी या नहीं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय ने बताया कि उन्हें इजरायली एजेंसी की ओर से इस कटौती की सूचना मिल चुकी है। वहीं, तीन अमेरिकी अधिकारियों ने भी बताया कि व्हाइट हाउस को इस फैसले की जानकारी दे दी गई है। मृत बंधकों की धीमी वापसी से भड़का विवाद इस्त्राइल में सोमवार को गाजा से लौटे 20 जीवित बंधकों के स्वागत में खुशी थी, लेकिन मृत बंधकों की वापसी की प्रक्रिया उम्मीद से धीमी रही।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।